जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 119 प्रभात अजमेर, सोमवार 29 नवम्बर, 2021 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

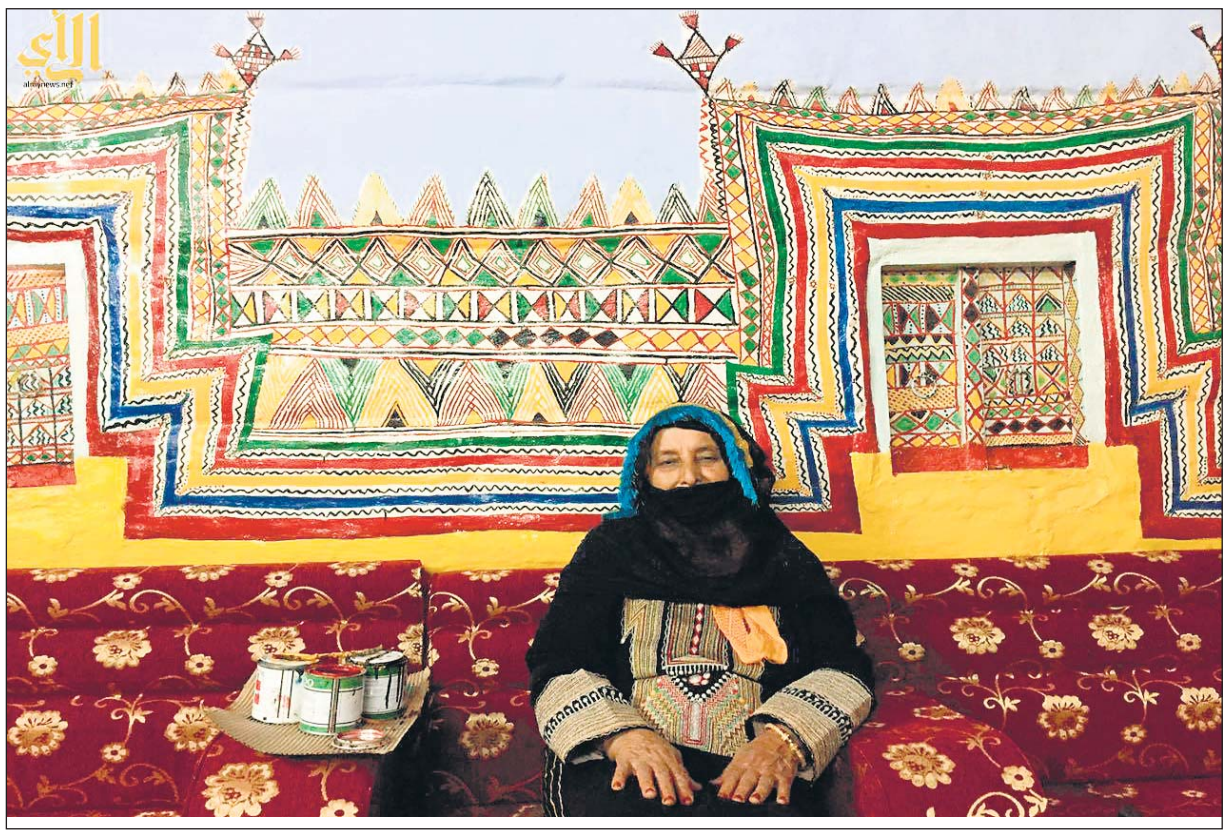

अल-कत-अल असीरी, सऊदी अरब की एक पारम्परिक चित्र शैली है, इसे युनैस्को ने इन्टैन्जिबल कल्चरल हैरिटेज की अन्तर्राष्ट्रीय सूची में शामिल किया है। सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र, असीरी में ही इस शैली का जन्म हुआ। सबसे खास बात यह है कि, महिलाएं ही ये चित्र बनाती हैं। असीरी के पारम्परिक घरों की बैठक की दीवारों पर ये चित्र देखे जा सकते हैं। महिलाएं ज्यामितीय आकृतियां और जनजातीय प्रतीकों की आकृतियाँ बनाकर उनमें शोख रंग भरती हैं। अरबी भाषा में इन्हें नागाश पेंटिंग कहते हैं। इनका एक नाम मजलिस पेंटिंग भी है, क्योंकि ये चित्र मुख्यतया घर की बैठक अर्थात् मजलिस में बनाए जाते हैं। इस चित्र शैली में प्रयुक्त ज्यामितीय डिजाइन यहां के टैक्सटाइल व कपड़ों की बुनाई के पैटर्न को प्रतिबिंबित करते हैं। इनमें आड़ी-तिरछी रेखाओं, त्रिभुजों व वर्गों का प्रयोग ज्यादा किया जाता है। त्रिकोण के आकार से पहाड़ व तिरछी रेखाओं से पानी को दर्शाया जाता है। बैठक के अलावा शेष घर की दीवारों, सीढ़ियों व फर्नीचर पर भी इस तरह की चित्रकारी की जाती है। एक परिवार की सम्पन्नता का अंदाजा दीवार पर बनी तस्वीरों से लगाया जाता है। यह तो ज्ञात नहीं है कि पेंटिंग की यह परम्परा कब शुरु हुई, परंतु 1991-92 में प्रोफैसर घीथान अली जराइस ने एक रिसर्च के दौरान तीन सौ से चार सौ साल पुराने घर भी देखे जिनकी दीवारों पर ऐसे चित्र बने हुए थे। इससे स्पष्ट है कि यह परम्परा काफी पुरानी है और पीढ़ी से पीढ़ी हस्तांतरित होती है। असीरी महिलाओं ने भी बताया कि उन्हें यह पेंटिंग उनकी मां ने सिखाई थी तथा उनकी मां ने अपनी मां से यह कला सीखी थी। सऊदी अरब के नीरस रेगिस्तानी माहौल को ये रंग बिरंगी पेंटिंग्स जीवंत व रंगीन बना देती हैं।

त्रिपुरा निकाय चुनाव में भाजपा ने विपक्षी पार्टियों का सूपड़ा साफ किया

भाजपा ने 334 वॉर्डों में से 329 में कब्जा जमाया, तृणमूल कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली

- **निकाय चुनाव के नतीजों से जहां भाजपा गदगद है तो महज एक सीट जीतने वाली तृणमूल कांग्रेस की भी खुशी कम नहीं है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद मिशन दिल्ली के तहत ममता बनर्जी की पार्टी ने सबसे पहले त्रिपुरा में ही विस्तार का ऐलान किया था।**
- **टी.एम.सी. को सीट महज एक ही मिली हो, लेकिन वोट शेयर के मामले में इसने लैफ्ट को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।**
- **टी.एम.सी. के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ट्विटर पर कहा कि, यह उनकी पार्टी के लिए 20 प्रतिशत मत हासिल करना असाधारण बात है, जिसकी तीन माह पहले त्रिपुरा में न के बराबर उपस्थिति थी।**

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भाजपा ने त्रिपुरा निकाय चुनाव में विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया है। अगरतला म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन सहित 14 अर्बन बॉडीज में हुए चुनाव में भाजपा ने कुल 334 वॉर्डों में से 329 पर कब्जा जमा लिया। अगतला में तो सभी 51 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है। कुल 334 सीटों में से 222 पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था, जिसमें 81.54 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। कुल 222 में से 217 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की, जबकि 112 पर उसके प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए।

निकाय चुनाव के नतीजों से जहां भाजपा गदगद है तो महज 1 सीट जीतने वाली तृणमूल कांग्रेस की भी खुशी कम नहीं है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद मिशन दिल्ली के तहत ममता बनर्जी की पार्टी ने सबसे पहले त्रिपुरा में ही विस्तार का ऐलान किया था। टी.एम.सी. को सीट महज 1 ही मिली हो, लेकिन वोट शेयर के मामले में इसने लेफ्ट को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। त्रिपुरा म्यूनिसिपल बॉडीज के कई वॉर्डों में सी.पी.आई. (एम) को पीछे छोड़कर मुख्य विपक्षी का दर्जा हासिल करने वाली टी.एम.सी. ने अपने प्रदर्शन को असाधारण बताया। पार्टी इसे 2023 विधानसभा चुनाव से पहले अपनी कामयाबी के तौर पर देख रही है।

टी.एम.सी. के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ट्विटर पर कहा कि यह उनकी पार्टी के लिए 20 प्रतिशत मत हासिल करना असाधारण बात है, जिसकी त्रिपुरा में न के बराबर उपस्थिति थी। उन्होंने ट्वीट किया, हमने बमुश्किल 3 महीने पहले अपनी गतिविधियां शुरू कीं, इसके बावजूद हमें यह प्रतिक्रिया मिली है जबकि भाजपा ने त्रिपुरा में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

त्रिपुरा टी.एम.सी. के सभी बहादुर सैनिकों को उनके अनुकरणीय साहस के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करोना संक्रमण के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से राजस्थान अभी सुरक्षित

राज्य में अभी तक इस वैरिएंट का कोई भी मामला सामने नहीं आया है

- **केन्द्र सरकार ने राजस्थान सहित सभी राज्यों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।**
- **प्रदेश में रविवार को थोड़ी कमी के बाद 17 नए संक्रमित मिले। इनमें सबसे ज्यादा 8 मामले जयपुर में पाए गए हैं।**
- **राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर दो सौ के करीब पहुंचे।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 28 नवम्बर । विदेश में करोना संक्रमण का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन मिलने से हड़कंप मचा हुआ है, वहीं राहत की बात यह है राजस्थान इससे अभी सुरक्षित है। फिलहाल यहां इसका कोई भी मामला सामने नहीं आया है।

नए वैरिएंट को लेकर केन्द्र ने राजस्थान सहित सभी राज्यों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इस बीच राज्य में रविवार को थोड़ी गिरावट के बाद करोना के 17 नए रोगी मिले हैं। हांलाकि इस बीच प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर दो सौ के करीब पहुंच गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने राजस्थान सहित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों को पत्र भेजकर कहा है कि ओमिक्रॉन को देखते हुए अत्यधिक सतर्कता बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड मानकों की कड़ाई से पालन की जाए। पत्र में कहा गया है कि ओमिक्रॉन से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। वहीं अति जोखिम वाले दस देशों से आने वाले यात्रियों को लेकर भी सतर्कता बरती जाए। इसके अतिरिक्त विदेश से आने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखते हुए उनकी कोविड जांच करवाई जाए।

इधर राजस्थान में अब तक करोना के नए वैरिएंट का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है।

पहली और दूसरी लहर के दौरान राज्य में अल्फा, डेल्टा और कप्पा वैरिएंट ही मिला है। हालाकि नए वैरिएंट से बचने के लिए राज्य में विदेशों से आने वाले सभी लोगों की जांच होना बेहद जरूरी है।

उधर दूसरी ओर राजधानी जयपुर सहित राज्य भर में करोना के नए मामलों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते राज्य में रविवार को 17 नए मरीज सामने आए हैं। इससे पहले शनिवार को 26 रोगी पाए गए थे। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में फिर सबसे ज्यादा 8 मरीज जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा अजमेर में 4 तथा अलवर, जैसलमेर, नागौर, पाली और उदयपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। राजधानी में रविवार को लालकोठी में 4, बनीपार्क में 2 और गांधीनगर व मुरलीपुरा में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस दौरान 5 मरीज रिकवर भी हुए हैं।

इस बीच राज्य के 26 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें 20 जिले ऐसे है, जहां अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में रविवार को केवल 5 और संक्रमितों के ठीक होने के साथ ही अब तक इस बीमारी से 9 लाख 45 हजार 604 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 199 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 104 मामले जयपुर में तथा 30 केस अजमेर में हैं।

इसके अलावा 11 जिले अलवर, बारां, बाड़मेर, बीकानेर, दौसा, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद और उदयपुर में 20 से कम एक्टिव केस हैं। प्रदेश में शनिवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हांलाकि राज्य में इस बीमारी से अब तक 8955 लोगों की मौत हो चुकी है।

'आंकड़े झूठे हैं, लेकिन लोगों की पीड़ा सच्ची है'

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि देश में कोविड-19 के कारण मरने वालों का सही और ठोस आंकड़ा सामने आना चाहिए और इस महामारी के कारण मरने वाले लोगों के परिवारों को चार लाख रुपये मुआवजा दिलाने के लिए वह प्रयास करेगी।

करोना वायरस के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को मुआवजा दिलाने के लिए केंद्र पर दबाव

- **राहुल गांधी ने यह भी कहा कि, मुआवज़ा देना पड़े, इस डर से सरकार ने करोना से बड़े पैमाने पर हुई मौतों के आंकड़े छुपाये हैं।**

बनाने के पार्टी के अभियान के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महामारी की दूसरी लहर के दौरान पीड़ित परिवारों का वीडियो साझा किया।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस संसद के दोनों सदनों में मुद्दे को उठाएगी और इस तरह के सभी परिवारों को सरकार से चार लाख रुपये मुआवजा दिलाने की मांग रखेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी को संसद में अब कांग्रेस की अगुवाई बिल्कुल मंजूर नहीं!

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में तृणमूल ने नहीं आने का ऐलान किया

- **सोमवार को यह बैठक प्रमुख मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की संयुक्त रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई है।**

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरने से पहले ही विपक्षी खेमे में दरार पैदा हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा सोमवार को बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। हालांकि वह रविवार को सरकार की बैठक में शामिल हुई थी। सोमवार की बैठक प्रमुख मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की संयुक्त रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि, उन्होंने सभी विपक्षी दलों को आमंत्रित किया, लेकिन इसमें शामिल होना या न होना उन पर निर्भर है। हालांकि कांग्रेस शुक्रवार को 14 विपक्षी दलों को संविधान दिवस समारोह में शामिल न होने के लिए मनाने में सफल रही, लेकिन तृणमूल कांग्रेस से दूरी बनाए रखना चाहती है क्योंकि बनर्जी पश्चिम बंगाल के बाहर अपना आधार बढ़ाना चाहती हैं लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में उनके आने से विपक्ष की बड़ी चर्चा बाधित हो सकती है।

इन दरारों को कांग्रेस द्वारा परोक्ष रूप से निशाना बनाने के साथ देखा जा सकता है और गोवा, असम और मेघालय में अपनी पार्टी के नेताओं को तोड़ने के लिए चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को दोषी ठहराया जा सकता है। ममता बनर्जी ने अपनी हालिया दिल्ली यात्रा पर, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात नहीं की थी।

गौरतलब है कि, इससे पहले केन्द्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय मीटिंग में आप पार्टी ने भी आने से इंकार कर दिया था और आप पार्टी इसमें शामिल नहीं हुई थी।

हालांकि, संसद के शीतकालीन सत्र से पहले कांग्रेस, सरकार के खिलाफ एक मजबूत गठबंधन बनाने के लिए, तृणमूल से बात कर रही है और इसे भी बोर्ड पर ले जाने की कोशिश कर रही है। लेकिन संदेह बरकरार है क्योंकि मेघालय विभाजन (जहां 17 में से 12 विधायक तृणमूल में चले गए) ने कांग्रेस में हंगामा खड़ा कर दिया है, जो पहले से ही पूर्वोत्तर में भाजपा के हमले का सामना कर रही थी।

हालांकि संसद में विपक्षी एकता पर टी.एम.सी. के राज्य सभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, संसद में विपक्ष की एकता होगी।

आम मुद्दे विपक्ष को एकजुट करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस हमारी चुनावी सहयोगी नहीं है और न ही हम उनके साथ सरकार चला रहे हैं बस इतना सा ही अंतर है।

बंगाल में सड़क हादसे में 18 लोगों की मौत

कोलकाता, 28 नवंबर (वार्ता)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में शनिवार रात हुए एक सड़क हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है और पांच अन्य घायल हो गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि हादसा उस समय हुआ, जब वाहन में सवाल लोग उत्तर 24 परगना के बगदा से नवद्वीप में श्मशान घाट जा रहे थे। इस दौरान

- **एक वाहन में सवार होकर लोग श्मशान घाट जा रहे थे तभी उनके वाहन की एक ट्रक से टक्कर हो गई।**

हांसखाली थाना क्षेत्र के फूलबाड़ी में अनियंत्रित होकर उनका वाहन सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जाकर टकरा गया। दुर्घटना में घायल लोगों को तुंरत अस्पताल ले जाया गया।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने इस घटना पर दुख जताते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केंद्रीय नेतृत्व द्वारा वसुंधरा राजे को कड़ी फटकार लगाने की चर्चा जोरों पर

वसुंधरा राजे की राजनीतिक यात्रा में भाजपा के बागी नेताओं का जमावड़ा रहा

- **चर्चा है कि, अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने से बचते हैं।**
- **अमित शाह के दौरे की तैयारियों में जुटे सतीश पूनिया, वहीं दूसरी ओर वसुंधरा राजे अपना शक्ति-प्रदर्शन कर रही हैं।**

जयपुर, 28 नवम्बर (का.सं.)। भाजपा में सियासी खींचतान जाहिर है, जिसमें संघ पृष्ठभूमि के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार संगठन की मजबूती के लिए कार्य कर रहे हैं, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे राजनीतिक यात्रा के जरिए केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही हैं। इस बीच कई भाजपा नेताओं में अंदरूनी चर्चा और सूत्रों से मिली जानकारी की माने तो केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को पत्र द्वारा लिखित में कड़ी फटकार लगाई है, जिसके बारे में आगामी दिनों में खुलासा होने पर स्पष्ट हो सकता है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने हाल ही में चार दिन की यात्रा की है, जिसे वह धार्मिक यात्रा नाम दे रही हैं, जबकि हकीकत यह है कि यह उनकी राजनीतिक यात्रा थी, जिसमें उनके साथ वह लोग ज्यादा थे जो भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़े हैं। इनमें प्रमुख रूप से रणधीर सिंह भिंडर, भंवर सिंह पलाड़ा, लादूलाल पिपलिया हैं। सियासी गलियारों में चर्चा है कि प्रदेश भाजपा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियों में जुटी हुई है, वहीं वसुंधरा राजे अपनी खुद की सियासी जमीन की हकीकत टटोल रही हैं, जिसमें भविष्य में नई पार्टी का ऐलान भी कर सकती हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ वसुंधरा राजे की मुख्यमंत्री रहने के दौरान से ही सियासी दुश्मनी है, ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व वसुंधरा राजे के नेतृत्व को शुरुआत से ही नकार कर मौजूदा प्रदेश नेतृत्व को आगे बढ़ाने का मन बना चुका है।

भाजपा नेताओं में चर्चा इस बात को लेकर भी जोरों पर है कि वसुंधरा राजे की इस पूरी यात्रा में खास बात यह रही कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उनकी सरकार की कार्यशैली पर बोलने से बचती रहीं और इसी तरह मुख्यमंत्री गहलोत भी वसुंधरा राजे के खिलाफ बयान देने से बचते हैं। राजनीतिक विश्लेषक यह कहते हैं कि वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत की अंदरूनी तौर पर सियासी मित्रता के स्पष्ट संकेत मिलते हैं, जिसमें चाहे पिछले साल कांग्रेस सरकार के विश्वासमत के दौरान भाजपा के चार विधायकों के विधानसभा से गायब होने की बात हो या कांग्रेस सरकार के अन्य कई फैसलों की बात हो।

वसुंधरा राजे निकाय चुनावों से लेकर उपचुनाव तक भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को सियासी तौर पर नुकसान पहुंचाने की तमाम कोशिशें कर चुकी हैं, जिसमें वह केंद्रीय नेतृत्व की नजर में प्रदेश भाजपा नेतृत्व को कमजोर दिखाकर खुद को मजबूत दिखाने की कोशिश कर रही हैं, जिसमें वह सफल नहीं हुई। वसुंधरा की इस यात्रा से पार्टी के ज्यादातर पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों ने दूरी बनाये रखी।

हाल ही में भी राजे ने मेवाड़ यात्रा से केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाने की कोशिश की, यात्रा में मौजूदगी के लिए वसुंधरा राजे द्वारा विधायकों, पूर्व विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों को फोन कर बुलाने की भी चर्चाएं भाजपा मुख्यालय में सुनने को मिल रही हैं।

पार्टी के जिन नेताओं का एक-डेढ़ साल पहले निधन हो गया, उनको इतने लंबे समय के बाद शोक संवेदना के बहाने वसुंधरा ने अपने इस राजनीतिक इवेंट के जरिए खुद का शक्ति-प्रदर्शन किया, जबकि शोक संवेदना के नाम पर शायद ही प्रदेश में किसी नेता ने शक्ति प्रदर्शन किया हो, क्योंकि दुख में तो संबल दिया जाता है, ना की शक्ति-प्रदर्शन किया जाता है।

जबकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सात करोड़ रु. के नकली नोट

ढाका, 28 नवंबर (वार्ता)। बंगलादेश पुलिस ने शनिवार को राजधानी ढाका स्थित एक घर से सात करोड़ रुपये से अधिक की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की जिसे पाकिस्तान में बनाया गया था और

- **बंगलादेश पुलिस ने राजधानी ढाका स्थित एक घर से सात करोड़ रुपये से अधिक की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की जिसे पाकिस्तान में बनाया गया था और इसे भारत भेजने का इरादा था।**

बंगलादेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के माध्यम से भारत में भेजने का इरादा था।

पुलिस उपायुक्त अहमद असदुज्जमां के मुताबिक उत्तरी ढाका के दक्षिणखान इलाके में स्थित एक घर की पानी की टंकी से 1400 से ज्यादा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अनुभव की पाठशाला में जो पाठ सीखे जाते हैं, वे पुस्तकों और विश्वविद्यालयों में नहीं मिलते। –अज्ञात

कलाकार को अपना काम करने दीजिए!

मैं इस बात को बहुत ग़ौर और व्यथा से नोट कर रहा हूं कि उन बातों से जो हमें पसंद नहीं हैं, हमारे आहत होने की प्रवृत्ति बहुत तेज़ी से बढ़ती और बहुत बार उग्र रूप धारण करती जा रही है। यथार्थ यह है कि जीवन में और दुनिया में सब कुछ कभी ऐसा नहीं होता जिसे हम पसंद करें। बहुत कुछ ऐसा होता है जिसे हम पसंद नहीं करते हैं, लेकिन इसके बावजूद उसे हम सहन करते हैं। हम यह जानते हैं कि सारी दुनिया हमारे इशारों पर नहीं नाच सकती और न सारी दुनिया वैसी हो सकती है जैसा हम चाहते हैं कि वह हो। इससे भी बड़ा सच यह है कि औरों की छोड़िये, हम ख़ुद पूरी तरह वैसे नहीं बन पाते हैं जैसे हम होना या बनना चाहते हैं। इसके बावजूद हम ख़ुद को भी झेलते ही हैं। यह मानकर कि बकौल निदा फ़ाज़ली, कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता।

लेखक और कलाकार सदा एक आदर्श दुनिया का ख़्वाब देखते हैं। वे अपने समय और समाज की पड़ताल करते हैं, उसकी आलोचना करते हैं और एक ऐसी तस्वीर बनाते हैं जिसमें क्या है और क्या होना चाहिए दोनों चीज़ें शामिल होती हैं। अगर वर्तमान से असंतोष न हो तो कोई बेहतर भविष्य की कल्पना ही क्यों करे? अलबत्ता कलाकारों का लहज़ा, उनके माध्यम, उनकी शैली अलग-अलग होती है। तुलसीदास अलग लहज़े में अपनी बात कहते हैं तो कबीर दास दूसरी तरह से अपनी बात कहते हैं। रचनाकार बहुत दफा अपनी बात कहने के लिए व्यंग्य का भी प्रयोग करते हैं। व्यंग्य तीखा भी हो सकता है, मारक भी। वह आपको गुदगुदाता नहीं परेशान करता है, आहत करता है, विचलित करता है। व्यंग्य करने वाला चाहता भी यही है। कबीर दास जब मुल्ला या पण्डित की बात करते हैं तो वे ऐसा ही करते हैं। अगर हम अपने हिंदी साहित्य की बात करें तो आधुनिक काल में भी भारतेंदु हरिश्चन्द्र से जिस व्यंग्य लेखन का क्रम प्रारम्भ होता है वह आज तक बना हुआ है। हम क्योंकि अपनी चर्चा साहित्य तक सीमित नहीं रख रहे हैं इसलिए बहुत सारे लेखकों को स्मरण करना प्रासंगिक नहीं होगा, लेकिन जब भी व्यंग्य की बात करेंगे, हरिशंकर परसाई ज़रूर याद आएंगे। याद निराला भी आएंगे, नागार्जुन भी और श्रीलाल शुक्ल भी। और भी बहुत सारे रचनाकार याद आएंगे। सोचने की बात यह है कि जब ये अपने समाज, अपने देश, अपने परिवेश, अपने धर्म आदि पर कोई टिप्पणी करते हैं तो क्या ये कोई ग़लत काम करते हैं? क्या इनके लेखन से किसी का अपमान होता है? क्या किसी को यह सवाल पूछना चाहिए कि कबीर ने मुल्ला या पण्डित को केंद्र में रखकर कुछ क्यों कहा-लिखा? याद किया जाए कि शरद जोशी का एक प्रख्यात व्यंग्य है जिसमें वे खुलकर राजीव गांधी का उपहास करते हैं, लेकिन उससे कोई आहत नहीं होता। काँग्रेसी भी नहीं।

कोई अगर यह सोचता है कि देश के बारे में सोचना उसी का एकाधिकार है तो यह उसके सोच की सीमा है, और सीमित सोच को चुनौती दी जानी चाहिए। अगर कोई समाज अपने कलाकारों को अभिव्यक्ति की आज़ादी नहीं देता है उसे अपने आपको सभ्य समाज कहने-मानने का कोई हक़ नहीं है।

और जो काम लेखक अपनी कलम से करता है वही काम अन्य कलाकार अपनी-अपनी विधाओं के औज़ारों से करते हैं। संवेदनशील और समझदार लोग उनके व्यंग्य को समझते और सराहते हैं। यह समय स्टैण्ड अप कॉमेडी का है और किसी भी कॉमेडियन को यह हक़ है कि उसे जो मुद्दे ज़रूरी लगते हैं वह उन पर अपनी बात कहे। उसके औज़ार अलग होते हैं लेकिन काम तो अंततः वह भी वही करता है जो एक लेखक करता है। वैसे, किन्हीं दो विधाओं और किन्हीं दो कलाकारों की कोई तुलना हो ही नहीं सकती। ऐसा प्रयास करना भी नहीं चाहिए। जो लोग भारतीय स्टैण्ड अप कॉमेडी परिदृश्य से परिचित हैं उनके लिए वीर दास का नाम अनजाना नहीं हो सकता। देहरादून में जन्में और शिमला तथा दिल्ली में पढ़े वीर दास समकालीन स्टैण्ड अप कॉमेडी के चमकते सितारे हैं। जो लोग हर कॉमेडियन को हिकारत की निगाह से देखने के अभ्यस्त हैं वे यह भी जान लें कि वीर दास इलेनॉए के नॉक्स कॉलेज में चार बरस और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भी एक वर्ष पढ़ चुके हैं। उन्होंने अर्थशास्त्र और अभिनय की पढ़ाई की है। न केवल यह बल्कि यह भी कि अपने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में उन्होंने मॉस्को आर्ट्स थिएटर के साथ कई नाटकों में भी काम किया है। इन दिनों हमारे यहां इन्हीं वीर दास की बहुत चर्चा है। चर्चा की वजह उनका मात्र छह मिनिट का एक वीडियो क्लिप है जो खुद उन्होंने अपने यू ट्यूब चैनल पर साझा किया है। यह वीडियो असल में वॉशिंगटन डीसी के विख्यात जॉन एफ कैनेडी सेण्टर में हुए उनके एक शो का है जिसमें वे एक एकालाप – मोनोलॉग- का वाचन कर रहे हैं। भारतीय मीडिया में इस एकालाप को कविता कहा गया है, हालांकि यह कविता नहीं है। इस एकालाप का शीर्षक है – 'आई कम फ्रॉम टू इण्डियाज़' अर्थात मैं दो भारत से आता हूं।

खुद वीर दास ने अपने इस एकालाप का परिचय देते हुए कहा है; यह वीडियो भारत के दोहरेपन को लेकर है। दो पक्ष जो एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, जैसा कि हर देश का एक अच्छा और एक बुरा पक्ष होता है, और यह बात कोई रहस्य नहीं है।; इस एकालाप में देश के एक दर्ज़न अंतर्विरोधों को उजागर किया गया है। लेकिन इस एकालाप ने, बल्कि ईमानदारी की बात यह है कि इस एकालाप के एक या डेढ़ वाक्यों ने, 'कुछ' लोगों को इतना आहत किया है कि वे बहुत मुखर होकर इसका विरोध कर रहे हैं। यहां तक कि फ़ेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इण्डियन सिने एम्प्लाइज़ (एफ़डब्ल्यूआईसीई) के अध्यक्ष ने तो यह भी कह दिया है कि उनकी संस्था के सदस्य वीर दास के साथ काम नहीं करेंगे। उन्होंने दम्भपूर्वक कहा है कि; वीर दास को किसी भी प्लेटफॉर्म पर काम नहीं करने दिया जाना चाहिए। मैं सभी निर्माताओं से कहूंगा कि उनके साथ न तो सहयोग करें और न ही काम करें।; वीर दास ने इस एकालाप में ऐसा क्या कह दिया है जिससे 'कुछ' लोग बहुत आहत हैं? एक शिकायत तो यह की जा रही है कि उन्होंने विदेश में जाकर देश की छवि धूमिल की है। सोचने की बात यह है कि सूचना क्रांति के इस दौर में क्या कोई भी बात देश की सीमाओं तक सीमित रह सकती है? फिर, क्या हमें केवल उजला पहलू ही देखना और दिखाना चाहिए? सारी कुरूपताओं को कार्पेट के नीचे छिपा देना चाहिए? कुछ उसी तरह जैसे एक विदेशी नेता के आगमन पर एक शहर के बाह्य भाग की कुरूपता को छिपाने के लिए बड़े-बड़े पर्दे टांग दिये गए थे? बेशक, हम सार्वजनिक रूप से अपनी विरूपताओं का दिखावा नहीं करते हैं और हमारा हर मुमकिन प्रयास यही होता है कि हम अपने बेहतर का प्रदर्शन करें, लेकिन बहुत बार यह भी ज़रूरी हो जाता है कि हम बेहतर और बदतर दोनों की बात करें। वीर दास ने अपने एकालाप में यही किया है, और मैं बेझिझक यह कह सकता हूं कि ऐसा करने का उन्हें पूरा अधिकार था और है। हममें से किसी को यह हक़ नहीं है कि एक स्वतन्त्र देश के नागरिक की अभिव्यक्ति की आज़ादी को चुनौती दें।

मैं अपनी बात फिर वहीं लाता हूं। अगर सच कहने से किसी की छवि विकृत होती है तो यह 'अपराध' सारे बड़े रचनाकारों-कलाकारों ने किया है। इस सोच के चलते तो न महान कार्टूनिस्ट शंकर अपनी विख्यात पत्रिका 'शंकर्स वीकली' निकाल सकते थे और न कोई कुंदन शाह 'जाने भी दो यारों' जैसी फ़िल्म बना सकता था। यह नहीं भूला जाना चाहिए कि नागार्जुन और हरि शंकर परसाई इसी देश और समाज में रहे हैं और ससम्मान रहे हैं। भले ही किसी अपराधी मनोवृत्ति वाले ने परसाई पर जान लेवा हमला किया, उसे सराहा किसी ने नहीं, और आज यह माना जाता है कि परसाई का लेखन अपने समय के भारत की प्रामाणिक छवि प्रस्तुत करता है। वे हमारे सर्वाधिक सम्मानित रचनाकारों में से एक हैं।

एक स्वस्थ और संज़ीदा समाज वही होता है जो भिन्न-भिन्न स्वरों को सम्मान देता है। अगर आप किसी की बात से सहमत न भी हों तो उसे अपनी बात कहने की आज़ादी दें, यही अपेक्षा की जाती है। कोई भी रचनाकार इसलिए अपने रचनाकर्म में प्रवृत्त नहीं होता है कि वह किसी की छवि को आहत करना चाहता है! देश का खून हम सबकी नसों में समान रूप से प्रवाहित होता है। देश भक्ति पर कुछ लोगों का एकाधिकार हो ही नहीं सकता। कोई अगर यह सोचता है कि देश के बारे में सोचना उसी का एकाधिकार है तो यह उसके सोच की सीमा है, और सीमित सोच को चुनौती दी जानी चाहिए। अगर कोई समाज अपने कलाकारों को अभिव्यक्ति की आज़ादी नहीं देता है उसे अपने आपको सभ्य समाज कहने-मानने का कोई हक़ नहीं है। हम किसी के कहे-लिखे-रचे से असहमत हो सकते हैं, अपनी असहमति व्यक्त करने का भी हमें अधिकार है, लेकिन यह ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है कि हमारा वह अधिकार दूसरों की आज़ादी को बाधित न करे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

डा.बी.डी.कल्ला अनुभवी शिक्षामन्त्री के सामने राजस्थान शिक्षा की चुनौतियां

राजस्थान की राजनीति में सुलझे हुए अनुभवी और वरिष्ठ राजनेता बुलाकी दास कल्ला राजस्थान के कांग्रेस मन्त्री मण्डल में फेर बदल के बाद पांचवीं बार शिक्षामन्त्री बने हैं इससे उनके समर्थकों में थोड़ी निराशा है। उन्हें उम्मीद थी कि उनके कद को ध्यान में रखकर कल्ला जी को कोई भारी और महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी । सम्भवत: शिक्षाविभाग में तबादलों में भ्रष्टाचार के आरोपों के तूफान को थामने के लिए उन्हें चुना गया है।

4 अक्टूबर 1949 को जन्मे डॉ बीडी कल्ला, बीकानेर निवासी राजस्थान के एक मात्र राजनीतिज्ञ हैं जो प्राय: विवादों से परे रहकर शान्त भाव से अपना काम करने के लिए मशहूर हैं। बीकानेर पश्चिम से विधायक चुने गए कल्ला ने बीएससी, एमए (अर्थशास्त्र), एलएलबी और पीएच.डी तक की शिक्षा ग्रहण की है।

डॉ. बी.डी. कल्ला ने अपने करियर की शुरुआत 1974 में बीकानेर के बीजेएस रामपुरिया कॉलेज में व्याख्याता के रूप में की थी। फिर उन्होंने राजनीति की ओर रुख किया और 6 बार विधायक बन चुके हैं।

श्री कल्ला ने 1990 और 2003 तक माध्यमिक शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया और शिक्षा क्षेत्र में अपने पिछले अनुभव के साथ अपने पद के लिए न्याय किया। डॉ. बी.डी. कल्ला जनवरी 2004 से जनवरी 2006 तक राजस्थान विधान सभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सदस्य के रूप में विपक्षी दल के नेता थे । उन्होंने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और चौथे वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि उनके अनुभव का लाभ प्रदेश की जनता को मिले। उन्होंने कहा कि उनके पूर्व कार्यकाल में शुरू की गई विद्यालय विकास समितियों को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा जिससे स्कूल प्रबंधन को सुदृढ़ किया जा सके। राज्य में महिला शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाए जायेंगे। डॉ. कल्ला ने कहा कि उनके पिछले कार्यकाल में कक्षा 1 से 3 तक अंग्रेजी को अनिवार्य विषय बनाया गया था तथा ये हर्ष का विषय है कि वर्तमान में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के नाम से प्रदेश में कई स्थानों पर अंग्रेजी माध्यम के राजकीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं जिनमें समाज के साधारण परिवारों से आने वाले विद्यार्थी भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उनका कहना था कि राजस्थान एक ग्रामीण प्रदेश है इसलिए ग्रामीण शिक्षा को मज़बूत करना बेहद जरूरी है जिससे गांव ढाणियों के छात्र भी चिकित्सक, इंजीनियर व प्रशासनिक अधिकारी बन सकें। स्वर्गीय राजीव गांधी की सोच से मुख्यमंत्री की पहल पर सरकार ने महात्मा गांधी अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालयों की शुरुआज की।

नए शिक्षा मंत्री के रूप में दायित्व ग्रहण करने के बाद डॉक्टर बी. डी. कल्ला के सामने जमीनी धरातल पर शिक्षा विभाग के सामने गंभीर चुनौतियों का अंबार लगा हुआ है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार की जो लहर चल रही है उसे रोकने की है। स्वयं मुख्यमंत्री ने शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षकों से इसकी

ताकीद करवा दी थी जाहिर सी बात है आम धारणा और शिक्षकों की हामी ने यह सिद्ध कर दिया कि राजस्थान में तबादला एक उद्योग के रूप में बुरी तरह हावी है। कल्ला साहब अपने गहरे और लम्बे प्रशासनिक अनुभव के साथ शिक्षा विभाग को सुनिश्चित दिशा दे सकते हैं । राजस्थान में अनेक सरकारों ने शिक्षक तबादलों के विषय में नीतियां तो खूब बनाई हैं लेकिन क्रियान्वित कभी नहीं हुई।

इसी तरह शिक्षा विभाग के सामने दूसरी गंभीर समस्या रिक्त पदों की है जो रिक्त पद भरने के बयान दिए जा रहे हैं। हकीकत उससे भी कहीं बड़ी है करोना काल में राजस्थान के सरकारी स्कूलों में नामांकन भारी मात्रा में बढा है जिससे प्राइवेट स्कूल बुरी तरह चपेट में आए हैं। कल्ला साहब को देखना पड़ेगा कि राजस्थान में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बीच छात्र नामांकन का संतुलन बना रहे। अभी तो जो 8-10 लाख नए बच्चे प्राइवेट स्कूल छोड़ कर सरकारी स्कूलों में आए हैं उनके लिए ही सरकार के पास शिक्षक नहीं है। सरकार लगातार नए पद सृजित कर उन्हें भरने का दावा तो करती है लेकिन क्या सरकार की आर्थिक माली हालत ऐसी है कि वे लगातार नए पदों का सृजन करते रहें और उनका वेतनमान समय पर देते रहें। यह एक असंभव टास्क है जो किसी भी सरकार के बूते का नहीं है। नए शिक्षा मंत्री जी को इस दिशा में सार्थक और सटीक नीति बनाने की आवश्यकता है।

राजस्थान में सरकार ने अंग्रेजी स्कूल खोलने का काम शुरू कर दिया है भले ही लोगों बड़ी संख्या में अपने बच्चों को वहां एडमिशन करा रहे हों लेकिन हकीकत यह है कि अंग्रेजी पर साआधिकार वार्तालाप करने की क्षमता हिंदी माध्यम के शिक्षकों के पास नहीं होती है। यूं भी आजकल जो बच्चे वहां पढ़ने जाते हैं वे लौटकर जब आते हैं तो यह शिकायत करते हैं कि गुरुजी अंग्रेजी में बात ही नहीं करते। सरकार का अंग्रेजी स्कूलों के प्रति यह मोह तो छुटने वाला नहीं है तो फिर इस दिशा में गम्भीरता से व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

समय की मांग कहकर अंग्रेजी स्कूलों पर मोहर लगाई जा रही है जो सरकारी अंग्रेजी स्कूल खुल रहे हैं वहाँ पूरी क्षमता और योग्यता के आधार शिक्षकों का चयन किया जाए। नवाचार के रूप में सरकार प्रयोग करें और प्राइवेट स्कूलों में जो अच्छे अंग्रेजी में दक्ष और बोलने वाले शिक्षक हैं उन्हें प्रतिनियुक्ति पर सरकारी स्कूलों में लगा कर अन्य शिक्षकों के लिए वातावरण उपलब्ध कराए।

पिछले कुछ वर्षों में सरकारी स्कूलों में आईटी के नाम पर संस्था प्रधानों पर भारी बोझ डाल दिया गया है। मैं ऐसे सैकड़ों संस्था प्रधानों को जानता हूं जो अपना शैक्षिक योगदान देने के स्थान पर स्कूलों में केवल सूचनाओं को कंप्यूटर पर अपलोड करने के काम में लगे रहते हैं। वे दिन रात इस बात का रोना रोते हैं कि सरकारी अफसर कार्यालय में बैठकर दिन-रात स्कूल के संस्था प्रधानों को हड़कातें रहते हैं और वह हर बात पर उन्हें नोटिस देने की धमकी देते हैं। इसका सबसे बुरा प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहा है। जो संस्था प्रधान स्वयं शिक्षकों को पढाने-लिखाने के लिए प्रेरित कर सकता है वह उल्टे वह तीन-चार अन्य शिक्षकों को भी इन सूचनाओं को अपलोड करने में बिजी कर देता है, नतीजा स्कूल का शैक्षिक स्तर निरंतर प्रभावित होता रहता है। शिक्षा मन्त्री जी इस दिशा में सख्ती से निर्देश जारी करें। सरकारी अफसरों ने नवाचारों के नाम पर कम्पूटरीकृत सूचनाओं का अंध कूप खोद डाला है। कागज के घोड़ों से कभी मैदान फतह नहीं होते हैं उसके लिए जंगे मैदान में कुशल घुड़सवार और काठयावाड़ी घोड़ों की जरूरत होती है। राज्य के शिक्षा विभाग के पास समर्पित शिक्षकों की फौज है लेकिन उन्हें सही काम तो करने दें।

शिक्षामन्त्री जी का यह संकल्प अच्छा है कि आगामी समय में विद्यालयों को और संवारा जायेगा तथा विभिन्न शैक्षिणक नवाचारों के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा को आगे बढ़ाने तथा समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के बच्चे को गुणवत्तापुर्ण शिक्षा सुलभ करवाने का कार्य किया जायेगा।

राजेन्द्र मोहन शर्मा
साहित्यिकार, शिक्षाविद
और चिन्तक

नवलगढ़ बीडीओ के बेटे ऋतिक ने कोटडी धाम के विकास के लिए 8 लाख रूपए दिए

कोलसिया, (निसं)। मलसीसर निवासी व जयपुर प्रवासी नवलगढ़ में सेवारत विकास अधिकारी अनिल सोनी के बेटे ऋतिक भामा ने अपनी शादी के बाद कोटडी धाम विकास के लिए आठ लाख रूपए ट्रस्ट को दिए हैं। ट्रस्ट अध्यक्ष रामकुमार तोसावड ने

■ आलीशान बडे हॉल निर्माण करने के लिए दिए आठ लाख रूपए

बताया कि ऋतिक की शादी हाल ही में जयपुर के एंजेल रिसोर्ट में सरदारशहर निवासी श्यामसुंदर कटेल की पुत्री कोमल के साथ 21 नवम्बर को हुई थी, देवी देवता पूजन की रश्म अदा करने के लिए आस्थास्थल कोटडी आए जहां पर आलीशान बडे हॉल निर्माण करने के लिए आठ लाख रुपए दिए। गुढागौडजी अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, महेश जेजुसर, सांवरमल डांवर,श्यामसुंदर कोलसिया, मनोज तोगडा, गिरधारी लाल तोसावड, प्रभुदयाल छापरवाल, नरेश नारनोली, श्रीराम भामा, विनोद खेतडी आदि ने तदर्थ बधाइयां दी है।

नवलगढ में सेवारत विकास अधिकारी अनिल सोनी के बेटे ऋतिक भामा ने अपनी शादी के बाद कोटडी धाम विकास के लिए आठ लाख रूपए ट्रस्ट को दिए ।

प्रियंका गांधी वाड्रा सवाई माधोपुर पहुंची

सवाई माधोपुर, (निसं)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सवाई माधोपुर पहुंची। उनका काफिला कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सवाई माधोपुर की सड़कों पर हो करके गुजरा। जहां चप्पे-चप्पे पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई थी। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था एसपी राजेश सिंह के नेतृत्व में की गई। दर्जनों गाड़ियों का काफिला एक साथ जब सवाई माधोपुर होते हुए रणथंभौर से होकर गुजरा तब यातायात को भी एक तरफा ही रोका गया। प्रियंका गांधी वाड्रा अपने निजी यात्रा के दौरान रणथंभौर पहुंची । रणथंभौर के शेर बाघ होटल पहुंची प्रियंका गांधी वाड्रा का होटल मैनेजमेंट की तरफ से भव्य रूप में स्वागत किया गया। प्रियंका गांधी वाड्रा रणथंभौर के होटल शेर बाघ में तीन दिवस तक रहेगी । वहीं इस दौरान रणथंभौर नेशनल पार्क का प्रियंका गांधी वाड्रा ने भ्रमण किया । बाघिन सहित अन्य वन्यजीवों की अठखेलियां देखी। बाघ टी 101 व बाघिन एरोहेड के भी दीदार किये।

पेट की खातिर कबाड़ चुनने में बीत रहा बचपन

हर साल बच्चों को बालश्रम मुक्त करने का अभियान महज कागजों में ही पूरा हो जाता है

पावटा, (निसं)। बच्चों के हाथ में जिस उम्र में कॉपी-कलम और किताब होनी चाहिए, उस उम्र में अगर बच्चे सड़कों पर भीख मांगते या कबाड़ चुनते नजर आयें तो यह हमारे सभ्य समाज, समाजसेवियों और सरकारों के लिए बड़ी ही शर्मनाक घटना है।

यह घटनाएं तब और भी शर्मनाक हो जाती है जब केन्द्र से लेकर राज्य सरकार गरीब बच्चों को अच्छी तालिम तथा गरीबों की आर्थिक स्थिती में सुधार का दावा कर रही हो। यह तस्वीर पावटा उपखंड के सर्विस रोड की है जिसमें बच्चे पढ़ने-लिखने की उम्र में सड़कों पर कबाड़ा ढूंढते नजर आ रहे हैं। इन बच्चों से जब कबाडा चुनने की वजह पूछी गई तो इन्होंने कुछ नहीं बताया और चुपचाप चल दिये। बता दें कि नगर में ऐसी तस्वीर कई स्थानों पर आसानी से देखने को मिल जाती है। मगर इन तस्वीरों को बदलने के लिए कोई स्थानीय स्तर पर समाजसेवी, अधिकारी और नेता सामने नहीं आ रहा है।

श्रम विभाग हर साल बच्चों को बालश्रम मुक्त करने का अभियान चलाता है लेकिन यह अभियान महज कागजों में ही पूरा हो जाता है। हकीकत तो यह है कि शहर में आज भी व्यापक स्तर पर बाल श्रमिकों से श्रम करवाया जा रहा है। दूसरी तरफ नया स्कूल सत्र को शुरू हुए दो माह बीत चुके हैं लेकिन सरकार के विशेष अभियान के तहत इन कबाड़ चुनने वाले बच्चों का स्कूलों में दाखिला नहीं कराया गया है।बताया जाता है कि यह बच्चे अपने परिवार का पालन पोषण करने के लिए पढ ाई करने की बजाए कबाड़ चुनते हैं।

पावटा उपखंड के सर्विस रोड़ पर कचरा बीनता बच्चा।

■ इन बच्चों को भरपेट भोजन तक नहीं मिल पाता है

उल्लेखनीय है कि कचरा बीनने वाले बच्चों के पालक भी अपनी जिमेदारी नहीं निभा रहे हैं। जिस वजह से इन बच्चों को भरपेट भोजन तक नहीं मिल पाता है।

इससे ये बच्चे अपना पेट भरने के लिए दिनभर कचरे के ढेरों से खाली बोतल, प्लास्टिक व लोहा चुनकर भंगार में बेचकर अपना पेट भर रहे हैं। गौरतलब हो कि अगर इन बच्चों के अभिभावक इन्हें सरकारी स्कूल में दाखिला दिलाएं तो इन बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले अथवा ना मिले लेकिन एक वक्त का मध्याह्न भोजन जरूर मिलेगा। ज्ञात हो शासन की ओर से स्कूलों में बच्चों को पुस्तकें सहित स्कूल की यूनिफॉर्म भी उपलब्ध कराती है लेकिन इन बच्चों के पालक अपनी जिमेदार नहीं निभा रहे हैं ।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 29 नवम्बर, 2021

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2078, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:42 तक, प्रीति योग रात्रि 2:49 तक, वणिज करण सायं 4:52 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

कुमार योग रात्रि 9:42 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 4:52 से रात्रि 4:14 तक रहेगी। मंगल उदय पूर्व में प्रात: 7:23 पर होगा। आज भगवान महावीर तप कल्याणक दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:19 तक, शुभ 9:38 से 10:56 तक, चर 1:33 से 2:52 तक, लाभ-अमृत 2:52 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 5:29

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित कार्य योजना बन सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ
व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

एवीवीएनएल ने दो दिन में 55 करोड़ से अधिक राजस्व वसूली की

■ 30 नवम्बर तक चलेगा डिस्कॉम का राजस्व वसूली का विशेष अभियान

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने विशेष राजस्व वसूली अभियान के तहत महज दो दिन में 55 करोड़ रुपयों से अधिक की वसूली की है। डिस्कॉम ने 11 जिलों में 10 हजार से अधिक उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटे हैं।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वीएस भाटी ने बताया कि डिस्कॉम ने सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं पर चल रहे बकाया राशि की वसूली के लिए अधिकारियों के लक्ष्य तय किए हैं। इस पूरे अभियान की निगरानी खुद प्रबन्ध निदेशक वीएस भाटी कर रहे है। अभियान में डिस्कॉम की ओएंडएम विंग के अतिरिक्त एमएण्डपी विंग, विजिलेंस विंग, प्रोजेक्ट विंग तथा लेखा शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी भी इस अभियान के तहत राजस्व वसूली का कार्य कर रहे है।

भाटी ने बताया कि अजमेर जिला वृत्त में 1376 उपभोक्ताओं से 3.61 करोड रुपये, भीलवाडा वृत्त में 2727 उपभोक्ताओं से 2.98 करोड रुपये, नागौर वृत्त में 2763 उपभोक्ताओं से 5.26 करोड रुपये, अजमेर शहर वृत्त में 1065 उपभोक्ताओं से 1.7०करोड रुपये, सीकर वृत्त में 3970उपभोक्ताओं से 4.06 करोड रूपये, झुंझुनूं वृत्त में 3046 उपभोक्ताओं से 2.64 करोड रुपये, उदयपुर वृत्त में 1934 उपभोक्ताओं से 3.05 करोड रुपये, राजसमंद वृत्त में 1629 उपभोक्ताओं से 2.68 करोड रुपये, बांसवाडा वृत्त में 1034 उपभोक्ताओं से 88.65 लाख रुपये, चित्तौडगढ वृत्त में 1640 उपभोक्ताओं से 3.5०करोड रुपये, डूंगरपुर वृत्त में 736 उपभोक्ताओं से 78.10 लाख रुपये, प्रतापगढ वृत्त में 474 उपभोक्ताओं से 43.75 लाख रुपये, एमएण्डपी विंग ने 1989 उपभोक्ताओं से 15.7०करोड रुपये, विजिलेंस विंग ने 713 उपभोक्ताओं से 1.04 करोड रुपये, आईटी विंग ने 266 उपभोक्ताओं से 6.58 करोड रुपये, प्रोजेक्ट विंग ने 94 उपभोक्ताओं से 6.41 लाख रुपये तथा टेक्निकल ऑडिट विंग ने 31 उपभोक्ताओं से 2.15 लाख रुपयों के राजस्व की वसूली की है।

भाटी ने बताया कि निगम का इस वित्तीय वर्ष 102 प्रतिशत राजस्व वसूली का लक्ष्य है। भाटी ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे सभी अपना विद्युत बिल समय पर जमा कराए।

ठेकेदार घावरी के खिलाफ पार्षद ने दिया ज्ञापन

भीलवाडा, (निसं)। नगर परिषद के ऑटो टीपर ठेकेदार राजकुमार घावरी के खिलाफ पार्षद इंदु बंसल ने नगर परिषद आयुक्त और सिटी कोतवाल को ज्ञापन सौंपकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

ज्ञापन में पार्षद ने कहा है कि शनिवार को दोपहर 12.26 बजे उनके पास ऑटो टीपर ठेकेदार राजकुमार घावरी का फोन आया कि आपकी सिफारिश पर रखे गए ऑटो टीपर चालक राहुल ने एक्सीडेंट कर दिया जिसमें एक बच्ची को चोटें आई हैं, उसे रामस्नेही अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आप 50 हजार रुपए लेकर नगर परिषद पहुंचे। पार्षद बंसल ने कहा कि उन्होंने अपने स्तर पर जानकारी जुटाई तो पता चला कि नगर परिषद के बाहर कॉलेज रोड पर साइकिल पर जा रही एक बच्ची को चोट लगी। यह घटना सुबह करीब 7 बजे की है। पार्षद ने आरोप लगाया कि उन्होंने इस संबंध में कमिश्नर से शिकायत की लेकिन उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। सभापति को फोन किया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। पार्षद ने कहा कि महिला होने के बावजूद ठेकेदार ने उन्हें परेशान किया और पैसों की डिमांड की। ऐसे में ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए और ठेका निरस्त किया जाए।

दीपावली स्नेह मिलन सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न

अजमेर, (कासं)। सीनियर सिटीजन सोसाइटी अजमेर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन रविवार को गंज स्थित जनकपुरी में किया गया तथा अल्पाहार के बाद सभा की कार्यवाही प्रारंभ हुई। अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने सभी समूह संयोजकों का परिचय देते हुए आज के कार्यत्क्रम के बारे में प्रकाश डालते हुए चुनाव सहित आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें याद किया गया। संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 95 वर्ष तक के वरिष्ठजनों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में डॉ एन.के माथुर, सुरेश केवलरमानी, डॉ प्रमोद कुमार शर्मा, मेवा लाल, के.के गौड, प्रेरणा गौड आदि मौजूद रहे।

आज मेगा वैक्सीनेशन, एक लाख से अधिक को लगेगा टीका

अजमेर, (कासं)। प्रत्येक पात्र व्यक्ति को कोरोना टीका लगाना सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को अजमेर जिले में मेगा वैक्सीनेशन होगा। जिले में एक लाख से ज्यादा लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर के. के. सोनी ने बताया कि जिला कलैक्टर प्रकाश राजपुरोहित के निर्देशानुसार सोमवार को जिले में मेगा वैक्सीनेशन होगा। इस दिन प्रत्येक पात्र व्यक्ति को कोरोना का टीका लगना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए विशेष तैयारियां की जा रही है। इस दिन एक लाख से अधिक कोरोना के टीके लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना महामारी से बचाने के लिए टीकाकरण एक महत्वपूर्ण तरीका है। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर ने समस्त जिलेवासियों से कोरोना का टीका लगाने की अपील की है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना तथा सैनिटाइजर का इस्तेमाल कोरोना के प्रकोप से बचा सकता है। इसके अलावा 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन लगाई जा रही है। वैक्सीन के लिए चिकित्सा विभाग द्वारा टीकाकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक पात्र व्यक्ति को टीका अवश्य लगाना चाहिए।

जाट समाज की बैठक आयोजित

गुलाबपुरा, (निसं)। स्थानीय नया जोरावरपुरा जाट छात्रावास में खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जाट छात्रावास में मेवाड़ जाट समाज के टूर्नामेंट 25 व 26 दिसंबर को आयोजित होने जा रहे हैं जिसके लिए खेल प्रतियोगिता को लेकर आज जाट छात्रावास में बैठक आयोजित जिसमें विभिन्न कमेटियां बने अवस्थाएं सौंपी गई। कार्यक्रम में जाट समाज के अध्यक्ष महावीर स्वामी, जमुना लाल जाट, वीर तेजा सेवा संस्थान के अध्यक्ष पुखराज चौधरी ,पंचायत समिति सदस्य रामनारायण रणवा ,महावीर पार्षद महादेव जाट, पार्षद सतपाल जाट, समाजसेवी अशोक कुड़ी, शिवराज जाट , सुरेंद्र चौधरी, राम जाट ,सत्यनारायण जाट, राम कुमार चौधरी, रामेश्वर, विनोद जाट व शंकर चौधरी समाज के लोगों मौजूद थे।

सुभाष नगर रेलवे फाटक बंद होने से लगने वाले जाम से लोग परेशान

■ अजमेर डेयरी ओवरब्रिज के धीमी निर्माण गति से परेशान लोगों ने लगाया जाम

अजमेर, (कासं)। अगर आप वाहन लेकर आदर्श नगर से सुभाष नगर चुंगी चौकी ब्यावर रोड रेलवे फाटक पर जाने वाले हैं तो 2 घंटे का अतिरिक्त समय लेकर निकले, क्योंकि यह फाटक दिन में अनेकों बार कई कई घंटों के लिए बंद रहता है, जिससे आदर्श नगर से सुभाषा नगर तथा सुभाष नगर से आदर्श नगर आने जाने वाले लोगों को ओवर व अंडरपास नहीं होने से परेशानी का सामना करना पडता है। इसी प्रकार अजमेर डेयरी के पास बन रहे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य की कछुआ चाल से परेशान लोगों ने रविवार को विरोध जताते हुए प्रदर्शन करते हुए जाम लगाया। सूचना पर पहुंची रामगंज थाना पुलिस ने लोगों से समझाइश कर जाम खुलवाया।

सुभाष नगर चुंगी चौकी ब्यावर रोड रेलवे फाटक से आदर्श नगर चुंगी चौक तथा आदर्श नगर से सुभाष नगर जाने वाले लोगों को फाटक दिन में अनेकों बार कई-कई घंटे के लिए बंद मिलता है, रेलवे की 5 ट्रेकों पर लगातार पैसेंजर व मालगाडियों का आवागमन होता रहता है। उक्त रेलवे फाटक पर न तो ओवर ब्रिज है और न ही अंडरपास ऐसे में फाटक बंद होने पर दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग जाती है, जिससे लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पडता है और पेट्रोल और डीजल के साथ साथ समय भी खराब होता है। फाटक बंद होने पर 1 से 2 घंटे तक जाम तो लगता ही हैं, आने जाने वाले लोग जाम में घंटो फंस कर अपना ईंधन और समय दोनों बर्बाद करने को मजबूर हैं। चुंगी चौकी के पास बने दुकानों के दुकानदारों ने बताया कि फाटक पर काफी लंबे समय से यही स्थिति बनी रहती है, जिसकी वजह से उनका व्यापार बिल्कुल ठप हो चुका है।

इसी प्रकार ब्यावर रोड पर अजमेर डेयरी के पास बन रहे ओवरब्रिज निर्माण की धीमी गति व अधिकांश समय रेलवे फाटक बंद होने को लेकर क्षेत्रवासियों ने रविवार को विरोध जताते हुए यातायात रोककर जाम लगाया। सूचना मिलने पर रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश कर जाम खुलवाया। वार्ड नंबर 32 में संजय नगर सहित अन्य कॉलोनी के क्षेत्रवासी फाटक पर एकत्र हुए, उनका कहना रहा कि अजमेर डेयरी फाटक पर बनाए जा रहे ओवरब्रिज का तीन साल से काम चल रहा है लेकिन यह काम पूरा नहीं किया जा रहा।

सार-समाचार

आवासीय चिंतन शिविर सम्पन्न

बांसवाड़ा,(निसं)। भाजपा के प्रदेश भर में चल रहे दो दिवसीय आवासीय चिंतन शिविर का समापन त्रिपुरा सुंदरी मन्दिर सभागार में हुआ। प्रथम सत्र में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अलका मूंदडा ने मोदी सरकार एवं भाजपा शासन की जन कल्याणकारी योजनाएं और उपलब्धियों का आमजन पर प्रभाव एवं चर्चा विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया। द्वितीय सत्र में जिला प्रभारी दिनेश भट्ट ने कार्य पद्धति का विकास और कार्यकर्ताओं की वैचारिक प्रतिबद्धता का विकास, टीम भावना से कार्य विषय पर मार्ग दर्शन प्रदान किया। वहीं तृतीय सत्र अभियान, कार्यक्रम, चुनाव प्रबंधन, मीडिया, सोशल मीडिया आईटी एवं पार्टी के सभी कार्य विभागों द्वारा पार्टी दृढीकरण में महत्व विषय पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया। चतुर्थ सत्र मिशन 2०23 के लिये व जिले द्वारा आवश्यक कार्यो का समग्र विचार एवं सुझाव विषय पर मार्गदर्शन पूर्व जिलाध्यक्ष मनोहर पटेल ने प्रदान किया। चिंतन शिविर के दूसरे दिन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात भी सुनी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह राव, पूर्व जिलाध्यक्ष ओम पालीवाल, विधायक गढी कैलाश मीणा, विधायक घाटोल हरेंद्र निनामा, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोहर पटेल, जिला उपाध्यक्ष बहादुर सिंह शक्तावत, नरेंद्र वैष्णव, दीपक जोशी, भेमजी भाई पाटीदार, जिला महामंत्री लालसिंह पाटीदार, जिला महामंत्री मुकेश रावत, लालसिंह पाटीदार, बांसवाडा प्रधान बलवीर रावत, तलवाडा प्रधान निर्मला मकवाना, कुशलगढ प्रधान कानहेंग रावत, पूर्व प्रधान राजेश कटारा, खेमराज गरासिया, लक्ष्मण डिंडोर, पूर्व राज्य मंत्री दलीचंद मईडा, कुशलगढ नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा, नितेश बैरागी, सोशल मीडिया प्रदेश समन्वयक विवेक रावत, बांसवाडा विधानसभा प्रवासी राजीव चौबीसा, बापूलाल लबाना, दीनदयाल चौहान, अशोक पटेल, जिला मंत्री जिनेन्द्र सेठिया, सरदार पारगी, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष कांतिलाल अहारी, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कृष्णा कटारा, राजेन्द्र प्रसाद पंचाल, शांतिलाल बुनकर, प्रेमजी पाटीदार, दीपसिंह वसुनिया, परमेश्वर मईडा, संजय पण्ड्या, अनिल पटेल, किरण जोशी, केदारेश्वर पाटीदार, रमेश पाटीदार, भूपेंद्र सिंह चारण, ताजेंग पाटीदार, प्रभुलाल निनामा, राजेन्द्र पटेल आदि मौजूद रहे।

जमीन हड़पने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। सायरा थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धोखे से जमीन हड़पने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सायर निवसी दीपक सोनी पुत्र गणेशलाल सोनी ने आरोपी माझी सा फार्म हाउस सायरा निवासी आशा कुंवर माता मोहन कुंवर व सायरा निवासी किशन सिंह राजपूत पुत्र केसरसिंह राजपूत, सायरा निवासी प्रकाश पुत्र किशनसिंह तथा तत्कालीन हल्का सायरा पटवारी पंकज पालीवाल के खिलाफ मामल दर्ज करवाया कि मैंने वर्ष 2014 में आशा कुंवर से जमीन खरीदी थी। उस दौरान नामान्तरण व म्यूटेशिन खुलवा दिया था। गत दिनों उक्त जमीन की नकल निकलवाने पर पता चला कि दस्तावेजों में जमीन का हिस्सा कम दर्शाया गया। इस संबंध में पड़ताल की लेकिन कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

हर्ष कलाल हत्याः तीसरा आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के फलसिया थाना पुलिस ने युवक की हत्या करने के मामले में तीसरे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण के अनुसार 17 नवंबर 2021 को पीड़ित आमलिया निवासी कलुलाल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरे पुत्र हर्ष कलाल को पार्टी पर बुला कर उसकी अज्ञात बदमाशों ने हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने अनुसंधान कर संजय परमार साथी पुष्कर व दिनेश को नामजद कर पूर्व में संजय व पुष्कर को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया। इस मामले में अनुसंधान अधिकारी फलासिया थानाधिकारी रामनारायण मय टीम ने फरार आरोपी महुड़ी खेरवाड़ा निवासी दिनेश पुत्र शांतिलाल को मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर छाणी रोड़ के जंगल से गिरफ्तार किया।

कार चोरी का प्रकरण दर्ज

उदयपुर, (कासं)। हिरणमगरी थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ कार चुरा ले जाने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता हिरणमगरी सेक्टर4महावीर नगर निवसी मनीषा काबरा पत्नी संदीप काबरा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 25 नवंबर रात में कार मकान के बाहर खड़ी की थी। जो दूसरे दिन नहीं मिली। इस पर उसकी इधर उधर तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

छेड़छाड़ का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। घर में घुस महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के आरोपी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी बलोलिया झाड़ोल निवासी कमलेश पुत्र कानाजी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया कि 12 अक्टूबर रात में मैं व मेरी नणद दोनों घर पर सोए थे। देर रात में मकान के दरवाजे का कुंदा खोल आरोपी अंदर आया तथा चद्दर उठा कर मेरे साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। इस दौरान विरोध करने व चिल्लाने पर आरोपी फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला की हत्या के पांच आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। महिला की हत्या का दूसरे ही दिन खुलासा करते हुए माण्डवा पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 26 नवंबर को पीड़ित हरण माण्डवा गांव निवासी चौपली पुत्री भाणा व उसके भाई वाला पुत्र भाणा ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि हमेशा की तरफ वागदरा खदरा सरहर हर में मै व मेरी भाभी मजु बाई पत्नी काला बकरियां चराकर सांय घर लौट रही थी। जहां बीच रास्ते मिले 4-5 बदमाश बकरिया गैर कर ले जाने लगे, इसको देख भाभी मंजु चिल्ला कर पिछे दौड़ी तो एक आदमी में बंदूर से फायर कर दिया।जिससे भाभी मंजु मौके पर हीं गिर पड़ी । इसको देख दौड़ कर घर लौट कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इस पर भाई वाला, दबीया पुत्र देवा ने जंगल में जाकर देखा तो भाभी की मौत हो चुकी थी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्तपुलिस अधीक्षका मुख्याल अनन्त कुमार, पुलिस उप अधीक्षक कोटड़ा भुपेन्द्र कुमार के सुपरविजन में माण्डवा थानाधिकारी उतमसिहसिंह , पानरवा थानाधिकारी नाथुसिंह, ओगणा थानाधिकारी प्रभुलाल के नेतृत्व में कोटड़ा थाना इंचार्ज एएसआई कालुलाल , शांतिलाल, सुरजमल, हेडकांस्टेबल कांतिलाल, राजेन्द्रसिह, गेबीलाल, तख्तसिह, कांस्टेबल सीताराम, शंभुलाल, प्रभुराम, अर्जुनराम, राजुराम, रामनिवास, जितेन्द्रसिह, रक्षपाल, सुरेन्द्र कुमार, दिलीप कुमार मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर जूनापादर निवासी मीठीया पुत्र भामा, सायबा पुत्र रेवा, कालीया पुत्र उदा, जुनापादर रोजखुणा माण्डवा निवासी सतारम उर्फ सतीया पुत्र हुरमा, पुनावली निवासी नोकीया पुत्र भेरा,भगाराम पुत्र भीखा व जूनापादर निवासी अजिया उर्फ अज पुत्र रणसा को नामजद कर मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर मीठीया, सायबरा व साथी कालीया, सतराम उर्फ सतीया, भगाराम अनुसंधान में पता चला कि मीठीया, कालीया, सायबा साथी मिल कर हथियार लेकर योजनानुसार जंगल में पशु चेरी करने जाते है। घटना वाली सवरे मिठिया के घ्र के पीछे इकठ्ठा होकर वारदात करने जंगल की तरफ निकले थे। वारदात करने के दौरान विरोधक करने वाले की हत्या चले जाने की कसम खाई थी। वारदात करने से पूर्व सभी ने साथ में शराब पी। काफी इंतजार के बाद सांय मंगरी पर बकरियां अकेली नजर आई जिनकी घेराबंदी करने पर मंजु व पीड़िता चिल्लाई। मंजू द्वारा एक आरोपी को पहचानने पर मीठिया ने बंदूक से फायर कर दिया। उसके निचे गिरते ही हमलावर व साथी जंगल के रास्ते से फरार हो गए।

किरण माहेश्वरी की प्रथम पुण्यतिथि कल

राजसमंद, (कासं)। दिवंगत पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री व पूर्व विधायक किरण माहेश्वरी की प्रथम पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं उनके प्रशंसकों द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोमवार को पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर राणा राजसिंह नगर में सुंदरकाण्ड का पाठ होगा।

मंगलवार प्रातः 9 बजे द्वारकेश गौशाला में गौ सेवा एवं सेवादारों का सम्मान समारोह होगा। 9:3० बजे भाजपा जिला कार्यालय पर रक्तदान शिविर एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है। प्रातः 1० बजे भाजपा जिला कार्यालय पर ही किरण एक विराट व्यक्तित्व विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। रविवार को पुण्यतिथि कार्यक्रमों की तैयारी के संदर्भ में विधायक कार्यालय पर एक बैठक हुई। बैठक में जिला एवं मंडल पदाधिकारियों, वर्तमान एवं पूर्व पार्षदों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पुण्यतिथि आयोजनों पर विस्तृत चर्चा की और तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

दिल्ली में होगी कांग्रेस की महंगाई हटाओ रैली

बांसवाड़ा, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से आगामी 12 दिसंबर को नई दिल्ली स्थित रामलीला ग्राउंड में विशाल महंगाई हटाओ रैली का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। पार्टी प्रवक्ता एडवोकेट इमरान खान पठान ने बताया कि इस रैली में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी देश को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि महंगाई हटाओ रैली में जिले से पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता भाग लेंगे।

भारतीय जैन संघटना का राष्ट्रीय अधिवेशन 12 व 13 मार्च को

उदयपुर, (कासं)। भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) का राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी वर्ष 2022 में 12 व 13 मार्च को उदयपुर में होगा। 37 वर्षों से कार्यरत इस संगठन का उदयपुर में यह पहला अधिवेशन होगा। जिसमें देशभर से तीन हजार से अधिक जैन प्रतिनिधि जुटेंगे। दो दिवसीय अधिवेशन की थीम 'जैनों का विश्वास, देश का विकास', वहीं टेगलाइन 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म होगी।

भारतीय जैन संघटना के संस्थापक शांतिलाल मुथा ने बताया कि उन्होने बताया कि विगत 37 वर्षों में बीजेएस पूरे देशभर में सामाजिक, शैक्षणिक एवं प्राकृतिक आपदाओं के क्षेत्र में कार्य करती रही है। समाज की समस्याओं पर शोध पूर्वक योजना बनाकर उनके समाधान की ओर अग्रसर होने के लिए भारतीय जैन संघटना कटिबद्ध है। प्रत्येक दो वर्षों में अधिवेशन आहुत कर संपादित कार्यों की समीक्षा तथा आने वाले दो वर्षों के एक्शन प्लान बनाए जाते है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तामिलनाडू में पिछले अधिवेशन संपादित हुए है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भारतीय जैन संघटना द्वारा तैयार किया गया रोड मेप अब धीरे-धीरे रंग लाने लगा है। कोरोना महामारी में पूरे प्रदेश में एक हजार ऑक्सीजन कंस्टेटर, ऑक्सीजन सिलेण्डर, होम आइसोलेटेड पेशेन्ट के लिए कोरोना हेल्प लाइन, जरूरतमंदों को राहत सामग्री का वितरण आदि कार्य भी किया गया। वहीं उदयपुर संभाग में 350 ऑक्सीजन कंस्टे टर की सहायता से अलग-अलग तहसील मुख्यालय पर ऑक्सीजन बैंक की स्थापना, उदयपुर में 37 दिनों तक 21 हजार से अधिक घर-घर टिफीन पहुंचाने का कार्य भी किया गया।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह ने हीरक जयंती पोस्टर का विमोचन किया

'अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में शरीक होकर एकजुट एवं संगठित होने का परिचय देवें'

उदयपुर, (कासं)। श्री क्षत्रिय युवक संघ की 75 वी वर्षगांठ 22 दिसम्बर (हीरक जयंती) पर जयपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं राजस्थान विद्यापीठ कुलपति शिव सिंह सारंगदेवोत द्वारा सर्किट हाउस उदयपुर में किया गया केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने समाजजनों से आव्हान किया कि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में शरीक हो एकजुटता एवं संगठित होने का परिचय देवें।

विमोचन के दौरान क्षत्रिय युवक संघ के उदयपुर प्रांत मंत्री फतेह सिंह भटवाडा, भारतीय जनता पार्टी देहात जिलाध्यक्ष भंवर सिंह पवार, चंद्रगुप्त सिंह चौहान, महामंत्री गजपाल सिंह राठौड़, करण सिंह सेमारी, कांग्रेस नेता भीम सिंह चुंडावत, नवल सिंह जुड, मनोहर सिंह मेडतिया, विवि पूर्व उपाध्यक्ष रणवीर सिंह जोलावास, एनएसयूआई पूर्व जिलाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह मंडपिया, कृष्णपाल सिंह चुंडावत, छत्रपाल सिंह, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष सुदर्शन देव सिंह कारोही, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा महामंत्री हेमेंद्र सिंह दवाना, मेवाड क्षत्रिय महासभा शहर अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह करेलिया, प्रकाश सिंह राठौड, दलपत सिंह राठौड, जयमल सिंह राठौड, दिग्विजय सिंह झाला, पुष्पेंद्र सिंह राजावत, प्रद्युमन सिंह गुडा, नारायण सिंह राजावत, जितेंद्र पाल सिंह चुंडावत, उपदेश सिंह चौहान, धीरेंद्र सिंह सिसोदिया, अरविंद सिंह पावटा, छात्रसंघ अध्यक्ष निखिलराज सिंह, करणी सेना शहर जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह, चंद्रराज सिंह बाघेला, दशरथ सिंह राठौड, अशोक सिंह जेतावत, धर्मवीर सिंह चुंडावत, तेजपाल सिंह गोगुंदा, हर्षवर्धन सिंह धमाणा, भवानी सिंह, नरपत सिंह बेमला आदि समाज जन उपस्थित रहे

सार-समाचार

'खेल सामरिक विकास का माध्यम है'

डूंगरपुर,(निसं)। श्री जैन नवयुवक मण्डल डूंगरपुर के तत्वावधान में आगामी 19 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक प्रारम्भ होने वाली जैन प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर टीमों ने खिलाडियों को ऑक्शन प्रणाली के जरिये सभी आठ टीमो को खिलाडियो का आवंटन किया गया। जिसमे विभिन्न टीमो के फ्रेन्चाईजी, कप्तान व कोच ने बोली के जरिये अपनी टीम के लिए खिलाडियो का चयन किया। इस अवसर पर नवाडेरा मार्ग पर स्थित राज पैलेस होटल के सभागार मे श्री जैन नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष सिद्धार्थ मेहता की अध्यक्षता मे ऑक्शन प्रणाली का आयोजन किया गया। जिसमे पूर्व अध्यक्ष संजय मेहता, सुबोध सरैया, दिलीप जैन, धर्मेद्र वोरा, भामाशाह सचिन जैन थे। प्रारंभ भगवान महावीर की तस्वीर के सम्मुख अतिथियो ने दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रम के आरंभ मे अतिथियो का परिचय एवं जेपीएल की विभिन्न गतिविधियो पर सचिव नरेश जैन ने प्रकाश डाला। इसके पश्चात अध्यक्षीय उद्बोधन मे सिद्धार्थ मेहता ने इस आयोजन के लिए मुख्य प्रायोजक राजमंदिर परिवार टाइगर हिल एवं टी-शर्ट स्पॉन्सर बालूलाल वोरा राजस्थान मेडिकल का आभार जताते हुए उन्होने कहा कि इस तरह के खेलो के आयोजन से सकल जैन समाज के युवाओं की प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलता है, अपितु सामरिक रूप से सकल जैन समाज एक सूत्र मे भी बंधता है। खेलो के साथ-साथ विभिन्न प्रतिभाओं को भी समाज विभिन्न अवसरो पर सम्मानित कर उनकी हौंसला अफजाई करता है। साथ ही उन्होने जेपीएल के लिए विभिन्न प्रकल्पो के लिए दिए गए विभिन्न संस्थानो द्वारा सहयोग, फ्रेन्चाईजी का भी आभार प्रकट किया। जिससे की यह आयोजन भव्य रूप से पूर्ण हो सके। अध्यक्ष सिद्धार्थ मेहता ने बताया कि 19 से 26 दिसम्बर तक होने वाली जेपीएल प्रतियोगिता के लीग मैचों के बाद फाइनल मुकाबला 26 दिसंबर को होगा। इसके पश्चात प्रारंभ हुई प्रक्रिया मे सचिव नरेश जैन, सुबोध सरैया एवं विराग सेठ के सान्निध्य में खिलाडियों के चयन की प्रक्रिया हुई। इस अवसर पर सभी टीम फ्रेंचाइजी, कप्तान, कोच ने अपनी टीम के लिए खिलाडियों का चयन किया।

फरार आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। गत सितम्बर 2020 मे हुए कांकरी डूंगरी प्रकरण के बाद सदर थाना क्षेत्र के रणसागर पर कतिपय उत्पातियो द्वारा रास्ता जाम करने व सरकारी वाहनो को नुकसान पहुंचाकर पुलिस पर पथराव करने के मामले मे एक वर्ष से फरार चल रहे 2 आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया गया।पुलिस सूत्रो के अनुसार 26 सितम्बर 2020 को दोपहर मे रण सागर पर उपद्रवियो को समझाने के दौरान पगारा निवासी जीवा पुत्र बापुलाल मीणा व जीवा पुत्र जालमा मीणा दोनो युवको ने लोगो को उकसाकर रास्ता बंद करा दिया तथा सरकारी वाहन व पुलिसकर्मियो पर पथराव कर नुकसान पहुंचाया था। इस मामले मे जीवा पुत्र जालमा परमार व जीवा पुत्र बापुलाल परमार को रण सागर की पहाडियो पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

पिछोला के भोपाल घाट पर श्रमदान

उदयपुर, (कासं)। झील हितैषी नागरिक मंच के सदस्यों ने आज पिछोला के भोपाल घाट पर श्रमदान कर काफी मात्रा में जलीय घास, शराब व पानी की खाली बोतलें, कूडा, करकट,जलीय घास निकाली, जिसे ले जाकर पशु घाट पर खाली की । मंच के संस्थापक हाजी सरदार मोहम्मद और सतीश मेवाडा ने आज फिर माइक लेकर लोगों को जागरूक किया और उन्हें यह संदेश दिया कि झीलों में गंदगी ना डालें एवं झीलों में गंदगी डालने वालों पर अंकुश लगाएं। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि अभी काफी मात्रा में पर्यटक आ रहे हैं और झीलों को इस तरह से गंदी देखेंगे तो अपने साथ अच्छा संदेश नहीं ले जाएंगे। श्रमदान में हाजी सरदार मोहम्मद सतीश मेवाडा, किशोर, गहलोत, कमलेश पुरोहित वासुदेव एवं बद्रीलाल ने भाग लिया।

रणदीप सिंह का एयरपोर्ट पर स्वागत

उदयपुर, (कासं)। निवर्तमान कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं पीसीसी प्रवक्ता पंकज कुमार शर्मा ने रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला का डबोक एयरपोर्ट पर माला, पगडी व उपरना पहना कर स्वागत किया। स्वागत करने वालों में निवर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा, संदीप गर्ग, नीरज शर्मा, निजाम खान, उष्मान खान, वसीम खान, भावेश सोलंकी, दिलीप पटेल, अनिल राजपुरोहित एवं कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

दूरभाष 0145-2429953, फैक्स 0145-2433813, Email, ajmermc@gmail.com, web.-www.ajmermc.org

क्रमांक: योजना/2021-22/927 आपत्ति सूचना दिनांक: 25/11/2021

श्रीमती जया विघानी पत्नी श्री परेश विघानी निवासी 21-ए महबूब की कोठी आनासागर लिंक रोड अजमेर भूखण्ड सं. 572 क्षेत्रफल 600 वर्गगज आनासागर सर्कयूलर रोड योजना में अंतरित है। प्रार्थिया द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर भूमि के आवासीय से वर्तमान में मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक उपयोग हेतु मानचित्र आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

पूर्व :- 60'रोड पश्चिम:- भूखण्ड स. 571

उत्तर : भूखण्ड स. 573 दक्षिण :- कामर्शियल लैण्ड

अतः जरिए इस सूचना के सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

पहले डीएपी की अब यूरिया की किल्लत, काश्तकार परेशान

266 रुपये की बजाय 400-450 रुपये में मिल रहा यूरिया का कट्टा

चाकसू, (निसं)। कस्बे में यूरिया की किल्लत होने से किसान परेशान हैं और यहां वहां दुकानों पर यूरिया के लिए भटक रहे हैं जिन दुकानों पर उपलब्ध है, वहां प्रति बोरी(50 किग्रा) के लिए 266 रुपये की बजाय 400-450 रुपये लिए जा रहे हैं।

यह हाल तब है जब किसान को गेहूं के लिए यूरिया की सर्वाधिक आवश्यकता है। हालांकि सरकार ने आधार कार्ड से हार्ड के लिए राशनिंग तो शुरू कर दी है लेकिन पर्याप्त स्टॉक में होने की वजह से किसानों को 1, 2 कट्टे ही स्टॉक रहने तक मिले थे वह भी अब मिलना बंद हो गए हैं । काश्तकार परेशान है क्योंकि जल्द ही यूरिया न डाली गई तो गेहूं की पैदावार पर असर पड़ेगा।

चाकसू क्षेत्र किसान नाथू लाल सैनी, शंकर, ओमप्रकाश आदि का कहना है कि समितियों पर यूरिया नहीं है गेहूं की फसल बो दी है । अब कोरवान करने के लिए यूरिया की आवश्यकता है जिसकी बाजार में किल्लत हो रही है जो बड़ी मुश्किल से किसी- किसी दुकानदार के पास ही मिल रहा है। जहां भी 266 रुपये की यूरिया को दुकानदार 450 रुपये ले रहे हैं।

किसान रामचंद्र का कहना है स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन के सहयोग के लिए कोई भी दूर-दूर तक नजर नहीं आता है ।

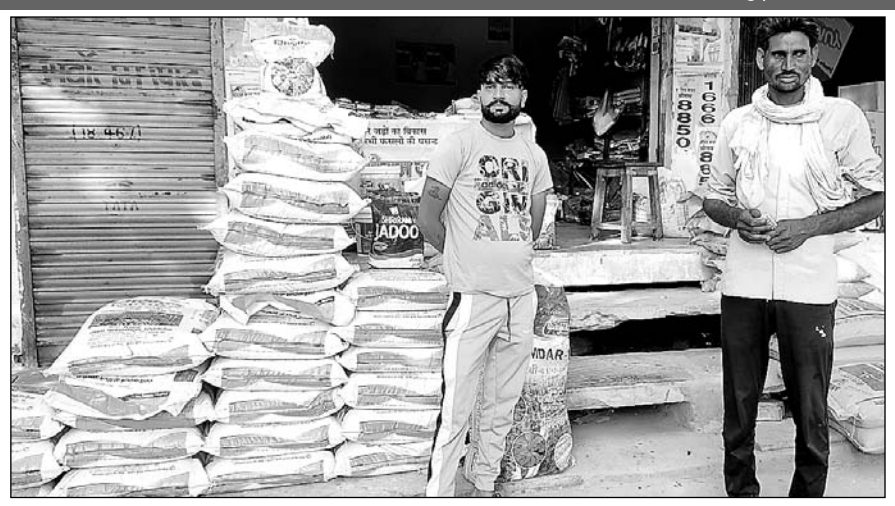

खाद बीज की दुकान पर यूरिया न मिलने पर निराश किसान

खाद बीज के विक्रेता दिनेश कुमार बेनीवाल का कहना है कि पिछले 1 महीने से आगे से ही यूरिया की सप्लाई नहीं मिल पा रही है और पूर्व में भी मांग के अनुरूप यूरिया की सप्लाई नहीं मिली है इस कारण बाजार में यूरिया की किल्लत बनी हुई है। किसानों का कहना है कि क्षेत्र में अब फसल खराब होने का डर सता रहा है । यह स्थिति पिछले 1 महीने से भी ज्यादा दिनों से है। दुकानदारों की माने तो अभी यूरिया की कोई खेप आने की उन्हें जानकारी नहीं है।

एसडीएम चाकसू गोवर्धन लाल शर्मा का कहना है कि यूरिया की स्थिति की जानकारी है। यूरिया की आपूर्ति के लिये व्यवस्था की जा रही है और विकल्प के तौर पर किसानों को समझाया जा रहा है कि फसल को सुपर फास्फेट एवं डीएपी मिलाकर दें। द्वारा भी किसानों को सहयोग और सहायता देने की बातें सिर्फ भाषण और कागजों तक ही सिमट कर रह गई है जब किसानों को जरूरत पड़ती है तो

दिसंबर में आएगा पटवारी परीक्षा परिणाम : शर्मा

'जेईएन परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप बेबुनियाद'

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी परीक्षा पटवारी भर्ती का परिणाम अगले माह में आ जाएगा । राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने झुंझुनूं में खास बातचीत में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि परिणाम को तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। बोर्ड कोशिश कर रहा है कि दिसंबर माह में इसका परिणाम घोषित कर दें। इसके अलावा जेईएन भर्ती परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद उठ रहे सवालों पर भी हरिप्रसाद शर्मा ने बातचीत की ।

कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने झुंझुनूं में दी जानकारी।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से जो अभ्यर्थी असफल होते हैं। वो कभी संतुष्ट नहीं होंगे और चाहेंगे कि परीक्षा निरस्त हो दुबारा हो लेकिन वे दावे के साथ कह सकते हैं कि ना केवल परीक्षा पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ हुई है बल्कि परिणाम भी उसी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ घोषित किया गया है। इस परीक्षा की तैयारी में युवाओं को नौ माह से अधिक का समय मिला था। साथ ही इसमें निगेटिव मार्किंग नहीं थी। इसलिए कट ऑफ ज्यादा गई है। उन्होंने इस मौके पर बताया कि फिलहाल बोर्ड जल्द ही पांच परीक्षाएं संगणक, ग्राम विकास अधिकारी, अग्निशमन अधिकारी फायरमैन, मोटर वाहन उप निरीक्षक व एपीआरओ भर्ती परीक्षा करवाने की तैयारी कर रहा है। जिसमें दिसंबर में दो परीक्षाएं प्रस्तावित हैं । उन्होंने इस मौके पर यह भी बताया कि बोर्ड इस दिशा में भी काम कर रहा है कि वर्ष 2022-23 का भर्ती परीक्षा कैलेंडर हर हाल में जनवरी-फरवरी माह में घोषित कर दें।

■ **2022-23 का भर्ती परीक्षा कैलेंडर जनवरी-फरवरी माह में घोषित होने की संभावना**

ताकि युवाओं को भर्तियों और परीक्षाओं की जानकारी समय पर लग जाए। हरिप्रसाद शर्मा झुंझुनूं के अलसीसर में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में आए थे। इससे पहले हरिप्रसाद शर्मा ने अलसीसर के सीतारामका गेस्ट हाउस में शिक्षाविद् पीएल शर्मा की आत्मकथा जीवन की पगडंडी पुस्तक का विमोचन किया।

फिरौती लेने आए दो बदमाशों को ग्रामीणों ने बंधक बनाया

कामां/भरतपुर, (निसं)। कामां थाने के गांव पालड़ी के निवासी पिता-पुत्र के अपहरण कर ले जाने के बाद फिरौती की राशि लेने आए दो जनों को ग्रामीणों ने पकड़कर बंधक बना लिया और उनकी जमकर धुनाई करते हुए एक कमरे में बंद कर दिया। सूचना मिलने पर कामां पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और ग्रामीणों द्वारा बंधक बनाए गए दोनों युवकों को बंधन मुक्त कराकर कामां थाने ले आई

पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई ने बताया कि पालड़ी निवासी शब्बीर व पुत्र मुनफेद का गुरुवार की दोपहर को बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग स्थित गांव पथवारी के निकट से फर्जी हरियाणा की सीआइए पुलिसकर्मी बनकर अपहरण कर लिया है। जिसकी छह लाख रुपए की फिरौती लेने आए कार में सवार हरियाणा के थाना बिछोर निवासी मुस्तकीम व शाहरूख ने शब्बीर की पत्नी रूखसाना से फोन पर बात कर सतवास के निकट पैसे लेकर बुलाया था।

■ **ग्रामीणों ने की धुनाई, पुलिस ने कब्जे से दोनों युवकों को मुक्त कराया**

लेकिन शब्बीर अपने पुत्र वसीम को साथ लेकर एक काले बैंग में कागज के टुकड़ों को भरकर पहुंच गई। जहां मां व पुत्र का पीछा कर रहे ग्रामीणों ने विभिन्न रास्तों ने पहुंचकर फिरौती लेने आए युवकों को पकड़ कर मारपीट करते हुए बंधक बना लिया था । जिस पर कामां पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से समझाइश करते हुए बंधक बनाए गए युवकों को छुड़वाकर थाने लाया गया।

कामां पुलिस के मुताबिक पालड़ी निवासी पिता-पुत्र शब्बीर और मुनफेद का अपहरण करने के बाद बदमाशों ने उनके घर फोन करके फिरौती मांगी थी। इस पर उनके परिजन फिरौती की रकम देने के लिए तैयार हो गए। शब्बीर की पत्नी रूखसाना ने उन्हें फिरौती की रकम लेने कामां बुलाया साथ ही अपने गांव वालों को सूचित भी कर दिया । जैसे ही बदमाश फिरौती की रकम लेने कामां पहुंचे तो ग्रामीणों की मदद से घेरकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया था। पालडी निवासी ग्रामीणों द्वारा घटना का मामला कामा थाने में दर्ज कराया गया है पुलिस अनुसंधान कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

कोविड प्रोटोकॉल्स की पालना करें: शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हम सभी कोविड प्रोटोकॉल्स की पालना करें और अनावश्यक भीड़-भाड़ में जाने से बचें। रविवार को यहां सुबह जोधपुर निवास पर मीडिया से अनोपचारिक बातचीत में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि कोविड के नए म्यूटेंट को लेकर चिंता बनी है। साउथ अफ्रीका से निकलकर यह म्यूटेंट 9-10 देशों में पहुंचा है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम अब तक 121 करोड़ से अधिक डोज लगवा चुके हैं । शेखावत ने कहा कि जिन देशों में इस तरह के केस चिह्नित हुए हैं, वहां से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग-चेकिंग के साथ नए प्रोटोकॉल्स बनाए गए हैं। राजस्थान में कोविड के बढ़ते केसों के बीच स्कूल-कॉलेजों को खोलने के संदर्भ में शेखावत ने कहा कि शिक्षा विभाग को उचित कदम उठाने चाहिए। कई उच्च शिक्षा संस्थानों ने अपने यहां हाईब्रिड मॉडल लागू किया है।

मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे नर्सिंग विद्यार्थी

चूरू, (कासं)। अपनी मांगों को लेकर रविवार को नर्सिंग कॉलेज चूरू के विद्यार्थी अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गये। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कहा कि आरयूएचएस की संगठक कॉलेज चार साल से संचालित है।

चूरू में राजकीय नर्सिंग कॉलेज के प्रारंभ होने के बावजूद भी किसी प्रकार का कोई उचित भवन, लाइब्रेरी, खेल मैदान व अन्य किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है। विद्यार्थियों को अध्ययन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक दिन क्लास कहीं होती है। दूसरे दिन अन्य स्थान पर होती है।

राज्य सरकार के मंत्रियों, विधायकों को कई बार अवगत करवाने के बावजूद आज तक किसी के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। इन परेशानियों को देखते हुये विद्यार्थियों को मजबूरन धरने पर बैठना पड़ा। विद्यार्थियों ने कहा कि धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक विद्यार्थियों की मांगें नहीं मानी जाती। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

चूरू नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी अपनी मांगों को लेकर धरने बैठे।

हिस्ट्रीशीटर ने कांस्टेबल को पीटा, हाथ में फ्रैक्चर आया

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ के मोमासर में शनिवार देर रात एक बदमाश ने पुलि स कांस्टेबल पर हमला करके घायल कर दिया। कांस्टेबल के एक हाथ में फ्रैक्चर हो गया है, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोट आई है। मामला मोमासर बास का है, जहां एक हिस्ट्रीशीटर और पुलिस आमने-सामने हो गए। बीकानेर और चूरू के कई थानों में वांटेड हिस्ट्रीशीटर भानीनाथ उर्फ भानीड़ा को पिछले दिनों पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था । भानीड़ा को पता चला कि उसे गिरफ्तार करवाने में राकेश सिद्ध की भूमिका है। राकेश डूंगरगढ़ के मोमासर बास का रहने वाला है।

जमानत मिल ने के बाद से भानीड़ा कई दिनों से राकेश सिद्ध को ढूंढ रहा था। शनिवार रात उसने राकेश के घर पर हमला कर दिया। इसी दौरान पुलि स को सूचना मिली तो पुलि स मौके पर पहुंच गई। राकेश को अस्पताल लेकर पुलिस बल निकल गया लेकिन एक सिपाही तेजपाल को वहीं छोड़ दिया। उधर, भानीड़ा और उसके साथ वापस आए और फिर से राकेश के घर पर हमला किया। कांस्टेबल तेजपाल ने उन्हें रोकना चाहा तो उस पर हमला बोल दिया। बाद में पुलि स ने भानीड़ा के घर पर दबिश देकर उसके दो परिजनों को हिरासत में ले लि या और उसकी एक बाइक सीज कर ली। श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी वेदपाल ने बताया कि तेजपाल की रिपोर्ट पर भानीनाथ उर्फ भानीड़ा पर मामला दर्ज किया गया है।

शादी के बाद देवता पूजने जाते समय सड़क दुर्घटना में 9 लोग घायल

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मैड के पास सताना गांव में शादी समारोह के बाद देवता पूजने जाते समय एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो गाड़ी के भीड़ में घुस जाने से 9 लोग घायल हो गए।

वहीं जानकारी के अनुसार लद्दूराम गुर्जर पुत्र रामजीलाल गुर्जर निवासी सताना ने थाने में मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि मैं अपनी दुल्हन धोली देवी के साथ देव पूजने जा रहा था। वहीं साथ में 40-50 लोग परिवार व रिश्तेदार जिनमें महिलाएं बच्चे भी शामिल थे ज्यो कि डीजे के पीछे नाचते गाते जा रहे थे । वहीं सताना मंदिर से पहले नदी में सड़क पर पहुंचे तो उन्हीं के रिश्तेदारों की स्कॉर्पियो गाडी पीछे-पीछे चल रही थी। जिसमें स्कॉर्पियो गाड़ी चालक ने गाड़ी में चाबी लगी छोड़कर उतर गया तभी किसी बच्चे ने गाडी में बैठकर चाबी घुमा दी जिससे स्कॉर्पियो गाडी चल पड़ी जो आगे पैदल-पैदल चल रहे दूल्हा दुल्हन अन्य जनों को टक्कर मारती हुई डीजे लगी पिकअप के टक्कर मार दी।

■ **गाड़ी को बच्चे ने चाबी लगाकर स्टार्ट कर दिया था**

इसमें धोली देवी पत्नी धर्मेंद्र गुर्जर , यालीराम पुत्र पप्पूराम, चिडी देवी पत्नी स्वर्गीय रतनलाल, परभी देवी पत्नी बाबूलाल, मीरा देवी पत्नी हरिराम जाति गुर्जर साल निवासी सताना, रविंद्र पुत्र हरिराम जाति गुर्जर निवासी सताना, सोनू पुत्र कालूराम जाति मीणा उम्र 16 साल निवासी सताना, गजेंद्र पुत्र सुल्तान जाति गुर्जर निवासी जोधूला घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मैड सीएचसी ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल के लिए रैफर किया गया।

घायल दुल्हन का अस्पताल में उपचार किया।

रीट भर्ती-2021: पद बढ़ाने की मांग पकड़ रही जोर

सादुलपुर, (निसं)। रीट भर्ती 2021 में पदों की संख्या बढ़ाकर 60 हजार करने एवं आरक्षित एससी, एसटी व दिव्यांग अभ्यर्थियों के पूर्व भर्तियों में रिक्त रहे पदों को भरने की मांग दिन प्रतिदिन जोर पकड़ रही है। वहीं इस मामले में एक ओर जहां बेरोजगार धरना-प्रदर्शन को मजबूर हैं, वहीं दूसरी ओर विभिन्न जन प्रतिनिधि भी इस मामले को लेकर रोजाना मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को बेरोजगारों की मांग को लेकर पत्र लिख रहे हैं।

सत्तारूढ एवं विपक्षी दलों के विधायक गण रोजाना ट्विटर पर नई रीट भर्ती-2021 में पदों की संख्या बढ़ाकर 60 हजार करने तथा आरक्षित वर्ग एसी-एसटी की बेकलॉग की 60 सीटों को रीट भर्ती-2021 में शामिल करने की बेरोजगारों की मांग का समर्थन कर रहे हैं। रविवार को बीजेपी सांसद किरोडीलाल मीणा ने भी ट्वीटर के मार्फत बेरोजगारों की इस मांग का समर्थन किया है। वहीं इससे पूर्व भी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया सहित दर्जनों विधायक निरंतर विशेष शिक्षकों के पद रीट भर्ती 2021 में 5000 पद स्वीकृत करने, रीट भर्ती 2021 में 30 हजार से बढ़ाकर पद 60 हजार करने तथा एससी एसटी के बैकलॉग की इस भर्ती में शामील करने की मांग का समर्थन कर रहें हैं। वहीं प्रदेश के बेरोजगार एवं कई शिक्षक संगठन भी इस मांग को लगातार बुलंद कर रहें हैं मगर अब देखना होगा कि प्रदेश सरकार इस मामले में कब बेरोजगारों की सुध लेती है ?

ग्राम कैरोडी में दलित दूल्हे की पुलिस सुरक्षा में निकासी निकली

पंचायत कैरोडी में निकासी निकालते लोग।

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती पावटा उपखण्ड की ग्राम पंचायत कैरोडी में रविवार को दलित दुल्हों के विवाह समारोह में भारी पुलिस जाप्ते की निगरानी में घोड़ी पर बैठाकर विधायक इंद्राज गुर्जर व बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में निकासी निकाली गई।

जिसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही । विगत 25 नवबर को दूल्हों की बहन के विवाह में आई बारात पर पथराव की घटना के बाद एसपी जयपुर ग्रामीण मनीष अग्रवाल ने स्वयं कमान सभाल रखी थी। विशेष तौर पर आरएसी की दो कपनियां जयपुर से बुलाकर तैनात की गई थी। निकासी के दौरान जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल द्वितीय जयपुर ग्रामीण मुख्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली सुमित गुप्ता सहित जाप्ता तैनात किया।

■ **निकासी में जयपुर से आई आरएसी की कंपनी, एसपी मनीष अग्रवाल ने स्वयं सभाली कमान**

■ **भारी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस अधिकारी व पुलिस जाप्ता मौजूद रहा**

गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर फायरिंग की

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर के कस्वा रुदावल में मोटरसाईकिल पर अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक बदमाश ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिसकर्मियों के ऊपर फायरिंग कर सनसनी फैला दी लेकिन बाद में थाना पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर हवालात के हवाले कर दिया।

पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई ने बताया कि गांव रतऊआ निबासी रब्बो गुर्जर के सम्बंध में जानकारी मिलने पर थाना पुलिस के जाप्ते ने उसे कस्वे के गौरव पथ से हनुमान मन्दिर की तरफ जाते हुए घेर लिया लेकिन रब्बो गुर्जर ने मोटरसाईकिल छोड़कर मन्दिर की तरफ खेत में भागते हुए कांस्टेबल प्रेमचन्द व गोरधन पर 315 बोर का अवैध देशी कट्टा तान दिया और धमकी दी कि पीछा किया तो गोली मारकर खत्म कर दूंगा । बताया गया बदमाश की धमकी के बाद भी जब पुलिसकर्मियों ने उसे घेरे रखा तो उसने फायरिंग शुरू कर दी ।

कांस्टेबल प्रेमचन्द बालबाल बचा और उसने जमीन पर गिरकर अपनी अपनी जान बचाई। बताया गया कि 23 वर्षिय रब्बो उर्फ जयशिव पुत्र नरेश निवासी रतऊआ थाना रूदावल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 315 बोर का कटा, 315 बोर के कारतूस का एक खाली खोखा, 2 जिंदा कारतूस तथा मोटरसाइकिल जप्त की हैं।

सोना चोरी करने के दो आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

बाड़मेर कोतवाली थाना क्षेत्र से 102 ग्राम सोना चोरी कर फरार हुए थे आरोपी

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में 102 ग्राम सोना चोरी कर फरार होने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

कोतवाल उगमराज सोनी पुलिस थाना कोतवाली के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल देवाराम सहित विशेष गठित टीम ने इस मामले में विशेष भरसक प्रयास कर मुलजिमानों का पूर्ण नाम पता ज्ञात कर उनके निवास पश्चिम बंगाल जाकर मुलजिम दुरजो धन मण्डल व उज्जवल मण्डल को गिरफ्तार किया गया है।

कोतवाल उगमराज सोनी ने बताया कि 30अक्टूबर को भट्टराज पुत्र राणूलाल जाति सोनी उम्र 46 साल पेशा पुश्तेनी निवासी जाजू भवन के पास राय कोलोनी बाड़मेर द्वारा अनिल कुमार पुत्र प्रेमचन्द सोनी निवासी राय कोलोनी की एक रिपोर्ट पेश कर बताया था कि दोपहर करीब दो बजे के आस -पास उज्जवल बंगाली व दुर्जो बंगाली करीब 102 ग्राम सोना लेकर फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

इस मामले में विशेष टीम गठित की गई जिसने तकनीकी सहायता के आधार पर पश्चिम बंगाल पहुंच दो आरोपी दुरजो धन मण्डल (24) पुत्र असीत मण्डल जाति मण्डल निवासी दीयार रानीनगर पुलिस थाना रघुनाथगंज पुलिस थाना जंगीपुर जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल व उज्जवल मण्डल (43)पुत्र पंचानन मण्डल निवासी नदाई पुलिस थाना॰ सूती जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से माल की बरामदगी के प्रयास किये जा रहे हैं।

बाड़मेर में कोतवाली पुलिस ने सोना चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

'ना वेतन-भत्ते का आदेश निकाला, ना दर्जा दिया, फिर विपक्ष क्यों मुद्दा बना रहा है'

मुख्यमंत्री के सलाहकार पद पर नियुक्ति को लेकर उपजे विवाद के बीच बोले अशोक गहलोत

- महंगाई के खिलाफ 12 दिसंबर को हजारों कांग्रेस जन जाएंगे दिल्ली रैली में
- उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन कर रहे राजस्थान के बेरोजगारों को लेकर कहा ''भाजपा इनको भड़का रही है''

जयपुर, (का.प्र.)। हाल ही में छह विधायकों के मुख्यमंत्री सलाहकार पद पर नियुक्ति को लेकर उपजे विवाद के बीच सीएम अशोक गहलोत ने स्पष्ट किया है कि हमने इस नियुक्ति के लिए अलग से वेतन भत्ते या सुविधाओं को लेकर कोई आदेश नहीं निकाला लेकिन विपक्ष ऐसा माहौल बना रहा है जैसे कोई जुर्म कर दिया हो। राज्य मंत्री बनाए गए राजेंद्र गुढ़ा के अब तक पद न संभालने पर गहलोत ने कहा कि मैं और पीसीसी अध्यक्ष उनसे बात करेंगे और कोई रास्ता निकाल लेंगे।

रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मुख्यमंत्री सलाहकार नियुक्ति मामले में आरोप लगाने वाले यदि थोड़ा गहराई में जाते तो उन्हें समझ में आ जाता। सीएम गहलोत ने कहा कि हम भी सरकार चला रहे हैं तो कुछ जानकारी होगी ही लेकिन बिना मतलब के इस मामले को इश्यू बनाया जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल सहित जरूरी चीजों के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी के खिलाफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से 12 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली रैली में राजस्थान से हजारों कांग्रेसजन जाएंगे। बढ़ती महंगाई को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्र की नीतियों को इसके लिए जिम्मेदार बताया।

पीसीसी मुख्यालय पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को संघवाद के खिलाफ बताते हुए कहा कि केंद्र की नीतियों के कारण ही आज राज्य कमजोर हो रहे हो। गहलोत ने कहा पांच राज्यों में चुनाव हैं, इस वजह से कंपनियां पेट्रोल-डीजल के दाम अब रोजाना नहीं बढ़ा रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार चाहे तो यह काम आगे भी जारी रह सकता है। गहलोत ने यह भी कहा कि अब तक एक्साइज ड्यूटी का पैसा सभी राज्यों के हिस्से में आता था, उसमें भी केंद्र सरकार की नीतियों के कारण राज्यों को नुकसान हो रहा है। आलम यह है कि जो स्पेशल एक्साइज ड्यूटी और एडिशनल एक्साइज ड्यूटी लगाई गई है उसमें भी राज्यों को हिस्सा नहीं दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि केंद्र सरकार कम से कम 10 रुपये पेट्रोल पर और 15 रुपये डीजल पर कम करे। गहलोत ने कह कि केंद्र सरकार साल 2022 तक जो जीएसटी का पुनर्भरण कर रही थी उसे साल 2027 तक आगे बढ़ाए। साथ ही राजस्थान को बकाया 5900 करोड़ रुपये जीएसटी पुनर्भरण का भुगतान जल्द करे।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि बीते 7 सालों में महंगाई आसमान छूने लगी है और पेट्रोल-डीजल से लेकर खाने-पीने की चीजें तक महंगी हुई हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने इसे रोकने का कोई प्रयास नहीं किया इस दौरान यूपीए सरकार के कार्यकाल में पेट्रोल डीजल और खाद्य सामग्री की कीमतों की तुलना आज चल रही कीमतों से की।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे राजस्थान के बेरोजगारों को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यूनियनबाजी छोड़ परीक्षा की तैयारी करने की नसीहत दी है ताकि उनकी नौकरी लग सके। गहलोत ने कहा कि युवाओं को विपक्ष वाले भड़का रहे हैं जिसके चलते वे राजनीतिक दलों के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जो किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। लखनऊ कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ पर भी उन्होंने निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि राजस्थान में सर्वाधिक रोजगार दिया गया है। एक लाख नौकरियां तो दी जा चुकी हैं और 75 हजार नौकरियां प्रक्रियाधीन हैं। ऐसे में जो युवा यूनियनबाजी में लगे हैं वो पढ़ाई पर ध्यान दें, ताकि उनकी नौकरियां लग सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जो नौकरियां राजस्थान में निकली हुई हैं, अधिकतर युवा तो उसकी तैयारी में लगे हैं लेकिन कुछ यूनियनबाजी में जुटे हैं। उनमें कुछ नेता तो ऐसे भी हैं जिनकी नौकरी लग भी जाए तो वह ज्वाइन नहीं करेंगे, क्योंकि वह नेतागिरी करके इलेक्शन में खड़ा होना चाहते हैं। चाहे बीजेपी और कांग्रेस उन्हें टिकट क्यों न दे दे। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि युवाओं को ऐसे लोगों से सचेत रहना चाहिए और उनकी बातों में नहीं आना चाहिए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह भी कहा कि इन युवाओं को भड़काने का काम विपक्ष के रूप में भाजपा कर रही है। राजस्थान में हुए उपचुनाव में भाजपा की जो दुर्गति हुई है, उसके बाद यहां के नेता केवल इसी मिशन पर जुटे हुए हैं कि किसी न किसी तरह पद पर बने रहें, क्योंकि आलाकमान हटा देगा और इसी के चलते युवाओं को भड़काने का काम चल रहा है।

हाईटेंशन लाइन से प्रभावित भूखंड़ों के पट्टे देने की मांग

जयपुर। राजधानी के पृथ्वीराज नरग में हाइटेंशन लाइन से प्रभावित भूखंडों के पट्टों की मांग लगातार जारी है। रविवार को पृथ्वीराज नगर हाइटेंशन लाइन संघर्ष समिति ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास को ज्ञापन दिया।

समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जो 2015 में नए नियम बनाए गए हैं, उनसे पृथ्वीराज नगर को बाहर रखा जाए। क्योंकि यहां की कॉलोनियां 30 से 40 वर्ष पुरानी हैं। 60 फीट रोड पर पट्टे दिलवाने की मांग की। इस मौके पर अनिल माथुर, दिनेश राव, ओम प्रकाश जाखड़, नवीन श्रीवास्तव, चेतन धलवानी, हनुमान सिंह मौजूद रहे। गौरतलब है कि 2015 में नगरीय विकास विभाग ने एक अधिसूचना जारी की थी। इसमें 132 केवी और 220 केवी की हाइटेंशन लाइनों के नीचे 105 फीट और 120 फीट पर पट्टे जारी करने के निर्देश दिए है। इस वजह से पीआरएन में 20 हजार से अधिक भूखंडधारियों को पट्टे नहीं मिल पा रहे हैं।

चाकू से गला रेतकर मजदूर की हत्या करने वाले तीन गिरफ्तार

- खाना बनाते समय गाली-गलौच करने पर साथी मजदूरों ने की थी हत्या
- वीकेआई पुलिस ने 24 घंटे में वारदात का खुलासा कर बदमाशों को पकड़ा

जयपुर (कासं)। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने मजदूर की हत्या का 24 घंटे में खुलासा कर उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

डीसीपी (वेस्ट) ऋचा तोमर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित लीलाराम मीणा (36), संतोष मीणा उर्फ संतराम (45) और गंगा लहरी (35) थाना प्रतापगढ़, थानागाजी (अलवर) के रहने वाले हैं। आरोपियों ने 26 नवंबर को अपने साथी मजदूर जयनारायण उर्फ जैनी मीणा की चाकू से गला काटकर नृशंश हत्या कर दी थी।

थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि मृतक जयनारायण उर्फ जैनी और उसके साथी मजदूर लीलाराम मीणा, गंगालहरी उर्फ लहरी मीणा, संतोष उर्फ सतराम मीणा एक ही फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। खाना बनाने की बात को लेकर अक्सर इनके बीच आपस में लडाई-झगड़ा होता रहता था। घटना के दिन भी मृतक जयनारायण का साथी मजदूरों से खाना बनाने, आटा लगाने की बात को लेकर आपस में झगडा हुआ था। मृतक ने खाना बनाने से इंकार कर दिया और साथी मजदूरों को गन्दी-गन्दी गलियां दी। इस पर साथी मजदूर आक्रोशित हो गए और जयनारायण मीणा को मारने का प्लान बनाया। जयनारायण मीणा लघुशंका के लिए गटर की तरफ जाने लगा तो दो मजदूरों ने जयनारायण को पकड़ लिया और तीसरे मजदूर ने चाकू से गला रेत दिया। काफी खून बहने से उसकी मौत हो गयी। आरोपी मजदूरों ने लाश को उठाकर दूसरी जगह पर फिर कमरे में लाकर फर्श पर लिटा दी। मौके से साक्ष्य मिटाने का प्रयास कर मौका पाकर घटनास्थल से फरार हो गए थे।

सलाहकार के पदों पर नियुक्ति के असंवैधानिक फैसले के बाद मुख्यमंत्री को यू-टर्न लेना पड़ रहा है : राठौड़

- 'मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त सलाहकार केवल नाम मात्र के होंगे, सलाहकारों के पास लेटर पैड पर अपना नाम/पद अंकित करने के अलावा कोई अतिरिक्त शक्तियां नहीं होगी'
- 'राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगने के बाद अब सरकार संसदीय सचिवों की नियुक्ति करने का साहस नहीं जुटा पा रही है'

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा यह स्वीकारोक्ति करना कि सलाहकार एवं संसदीय सचिवों को राज्यमंत्री/कैबिनेट मंत्री का दर्जा नहीं दिया जा सकता है एवं सरकार ने इसके लिए कोई लिखित आदेश भी जारी नहीं किए हैं, इससे साबित होता है कि मुख्यमंत्री ने महज असंतुष्ट कांग्रेस व अन्य समर्थित विधायकों को खुश करने एवं अंतर्कलह से जूझती अपनी सरकार को बचाने के लिए सलाहकारों की नियुक्ति की है। वास्तविकता में नियुक्त सलाहकार महज सामान्य विधायक के कार्य के अतिरिक्त अन्य कोई कार्य करने में सक्षम नहीं होंगे।

राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 की धारा 5 (1) (सी) में दिए गए प्रावधानों का स्पष्टत: उल्लंघन कर रही है। इस धारा के प्रावधानों के अनुसार किसी भी व्यक्ति/अधिकारी को कोई अधिकार नहीं है कि वह राज्य से संबंधित गोपनीय सूचनाओं को बिना अधिकारिता के अपने पास रखे और जानबूझकर ऐसे निर्देशों का पालन करे जो उसकी अधिकारिता में नहीं हैं। धारा 5 (2) में स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि कोई भी व्यक्ति/अधिकारी ऐसी गोपनीय सूचना को अपने पास रखता है जिसकी उसकी कोई अधिकारिता नहीं है तो वह इस अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी माना जाएगा। ऐसे दोषी व्यक्ति/अधिकारी को 3 साल का कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा स्वीकारोक्ति करने के बाद यह सिद्ध हो गया है कि उनके द्वारा नियुक्त सलाहकार के पास सरकार द्वारा कोई पत्रावली नहीं भेजी जा सकती है और ना ही उनकी सलाह पर कोई पत्रावली चलाई जा सकती है। यह महज विधायकों को खुश करने के लिए झुनझुना देना है। मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त सलाहकार केवल नाम मात्र के होंगे, सलाहकारों के पास लेटर पैड पर अपना नाम/पद अंकित करने के अलावा कोई अतिरिक्त शक्तियां नहीं होगी। सामान्य विधायक के अतिरेक इन सलाहकारों के पास कोई संवैधानिक अधिकार भी नहीं होंगे। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री सलाहकारों की असंवैधानिक नियुक्ति व संसदीय सचिवों की संभावित नियुक्ति को लेकर मैंने 22 नंवबर को राज्यपाल को पत्र लिखा था। इसके बाद राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगने के बाद से अब सरकार संसदीय सचिवों की नियुक्ति करने का साहस नहीं जुटा पा रही है। सलाहकार के पदों पर नियुक्ति के असंवैधानिक फैसले के बाद मुख्यमंत्री को यू-टर्न लेना पड़ रहा है और वह सलाहकारों को राज्यमंत्री/कैबिनेट मंत्री के स्तर की सुविधाओं के लिए लिखित आदेश भी जारी नहीं कर पा रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री की ऐसी क्या मजबूरी रही कि उन्हें मंत्रिमंडल पुनर्गठन के साथ ही 6 सलाहकारों की जरूरत पड़ गई और उन्हें सलाहकार के पद का झुनझुना पकड़वा दिया। मुख्यमंत्रीजी को बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस विधायकों की पार्टी में सम्मानजनक स्थिति नहीं थी या फिर क्या विधायक का पद कम महत्वपूर्ण है? जो उन्हें सलाहकार जैसे पदों की रेवड़ियां बांटनी पड़ रही है।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री यह कह रहे हैं कि सलाहकारों की नियुक्तियों के मामले को लेकर विपक्ष बेवजह तूल दे रहा है और सरकार को तमाम कानूनों की पूरी जानकारी है। हकीकत तो यह है कि अगर सरकार को संवैधानिक प्रावधानों की पूरी जानकारी होती तो आज मुख्यमंत्रीजी को लोकतंत्र का उपहास करते हुए एवं आपसी कलह को शांत करने के लिए विधायकों को सलाहकार के पद पर नियुक्ति देने की जरूरत ही नहीं होती।

गांधीजी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को सेन्ट्रल पार्क में बन रहे गांधी दर्शन म्यूजियम के कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और जेडीसी गौरव गोयल भी मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मुल्क में प्रेम, भाईचारा एवं सद्भाव कायम करने के लिए आज गांधीजी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि गांधी दर्शन एवं गांधीजी की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार जिला, ब्लॉक एवं गांव के स्तर तक हो।

गहलोत रविवार को सेन्ट्रल पार्क स्थित कनक भवन में आयोजित गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश में अलग से शांति एवं अहिंसा निदेशालय की स्थापना की है। राजस्थान पहला राज्य है जिसने गांधीजी के विचारों को आमजन तक पहुंचाने के लिए अलग से निदेशालय बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधीजी की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए प्रशासन एवं सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभाने के लिए युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से मुम्बई के टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेज तथा पुणे स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड स्कूल ऑफ गवर्नेंस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर प्रदेश में महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एण्ड सोशल साइन्सेज की स्थापना की गई है। यहां गांधीजी से जुड़े शोध कार्य होंगे। उन्होंने गांधीजी के विचारों के प्रचार-प्रसार की दिशा में गांधी दर्शन समिति द्वारा किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

कार्यक्रम में पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एण्ड सोशल साइंसेज के निदेशक प्रो. बीएम शर्मा, शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा, समग्र सेवा संघ के अध्यक्ष सवाई सिंह, गांधी स्मारक निधि के सदस्य धर्मवीर कटेवा, वर्धा आश्रम से आए मुख्य प्रशिक्षक मनोज नागरे एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सेन्ट्रल पार्क में बन रहे गांधी दर्शन म्यूजियम के कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूरे करने के निर्देश दिए। जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त गौरव गोयल ने साइट प्लान के बारे में जानकारी दी। गहलोत ने वहां मौजूद कामगारों से बातचीत की और उन्हें मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के फायदों के बारे में जानकारी दी।

जेकेके में पुस्तक प्रेमियों ने अपनी चुनौतियां और अनुभव साझा किए

जयपुर, (का.सं.)। जवाहर कला केंद्र (जेकेके) और जयपुर बुक लवर्स की ओर से रविवार को बुक्स विच हैव चैलेंजड/एक्सपैंडेड/चेंजड योर पर्सपेक्टिव विषय पर चर्चा करने और अपने विचारों को साझा करने के लिए जयपुर के पुस्तक प्रेमियों के लिए जेकेके लाइब्रेरी में मीट अप का आयोजन किया गया। इस आयोजन का संचालन वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट अजय असवाल, विवेक शर्मा और प्रशांत गुप्ता ने किया। इस सेशन में 14 वर्ष से 60 वर्ष की उम्र के करीब 25 लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में ब्यूरोक्रेट, नए लेखकों सहित स्कूली बच्चों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

इस इंटरेक्टिव सेशन में प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय लेखकों की पुस्तकों जैसे कि युवाल नोआ हरारी की सेपियंस, सिद्धार्थ मुखर्जी की द जीन, द फाउंटेन हेड सहित कई अन्य पुस्तकों पर चर्चा की और अपने विचार रखे। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे उन्होंने पुस्तकें पढ़ ना शुरू किया।

ठेकेदार ने महिला से किया दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। भांकरोटा इलाके में एक ठेकेदार द्वारा महिला मजदूर से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार झोटवाड़ा इलाके निवासी 28 वर्षीया महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह 17 नवंबर को सिरसी में एक शादी में काम करने गई थी। महिला का आरोप है कि वापिसी में लौटते वक्त ठेकेदार मक्खन लाल ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस जांच में जुटी है।

''मन की बात'' कार्यक्रम देश के लोगों को जोड़ता है : डॉ. पूनिया

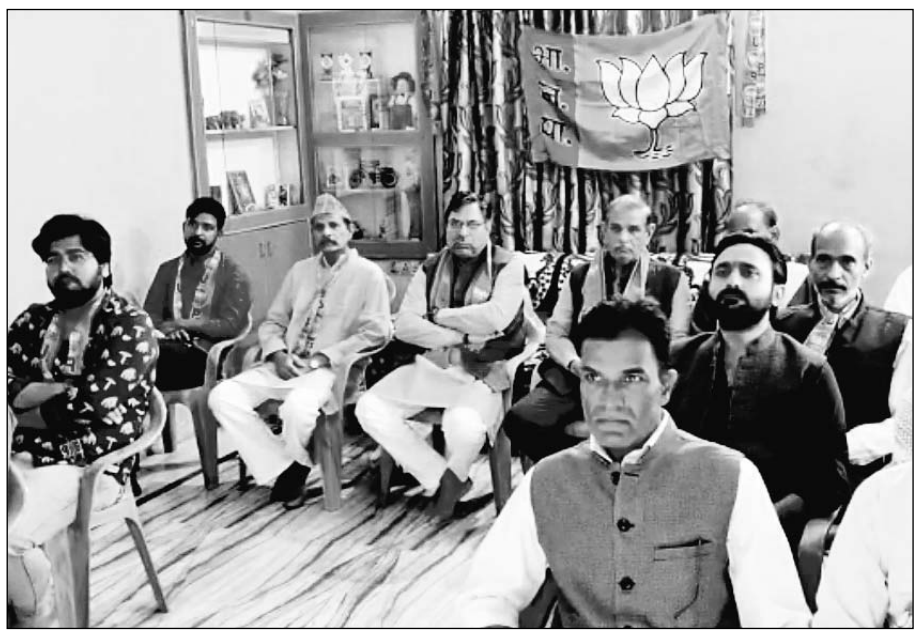

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने जयपुर के करणी विहार मण्डल में बूथ नंबर 316 पर कार्यकर्ता के घर पर अन्य कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने जयपुर के करणी विहार मण्डल में बूथ नंबर 316 पर कार्यकर्ता के घर कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

डॉ. पूनिया ने पार्टी के प्रदेशभर के सभी बूथ अध्यक्षों से आग्रह करते हुये कहा कि, मन की बात कार्यक्रम को सुनने में निरंतरता लाएं और मन की बात देश के लोगों को जोड़ता है और मकसद के लिए प्रेरित करता है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि हमेशा की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम ने सबके मन को छुआ।

- 'प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्ट-अप की अभिनव पहल से देश एवं प्रदेश के नौजवानों को जॉब क्रिएटर्स के रूप में नई दिशा दी'

जिस तरीके से प्रधानमंत्री ने कहा, मन की बात अब मकसद की बात होती जा रही है। खास तौर पर आयुष्मान भारत योजना की उपलब्धियां और मथुरा की सुखदेवी के मुख से जब आयुष्मान की अहमियत समझी, तो उस बात ने भावुक कर दिया कि किस तरीके से 40 वर्ष की उम्र में अनेक वर्ष बिस्तर पर बिताये, जिसके परिवार और जीवन को चुनौती थी, जीवन से उम्मीद छोड़ दी, ऐसे समय में आयुष्मान योजना उनके जीवन में रोशनी बनकर आई। इसी तरह आयुष्मान से लेकर तमाम कल्याणकारी योजनाएं देश के हर वर्ग को लाभान्वित कर रही हैं।

दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्ट-अप की अभिनव पहल से देश एवं प्रदेश के नौजवानों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया है, उनको जॉब क्रिएटर्स के रूप में नई दिशा दी है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कपड़ा चुराने वाले तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कपड़ा चोरी करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने उनके पास से चोरी के कपड़ों के कई थान सहित एक चोरी की बाइक बरामद की गई है। इसके अलावा चोरी में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की गई है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी रायसल सिंह ने बताया कि कपड़ा चोरी करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए शातिर बदमाश तेजसिंह धाकड़, राम धावड़ और संजय धाकड़ को गिरफ्तार किया है और तीनों ही हिंडौन सिटी जिला करौली हाल सांगानेर के रहने वाले है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के कपड़ों के कई थान सहित एक चोरी की बाइक बरामद की गई है। इसके अलावा चोरी में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की गई है। आरोपितों ने सांगानेर सदर इलाके में भी दो फैक्ट्रियों से चोरी करना कबूला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शातिर किस्म के नकबजन है वाहन चोर और बदमाश प्रवृति के हैं। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए करीब 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालें। टीम के हैड कांस्टेबल ईश्वर चंद की सूचना पर तीनों बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी की बाइक और कार की नम्बर प्लेट खोलकर रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। फिलहाल पूछताछ की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को 22 गोदाम सर्किल स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

आवेदन निरस्त नहीं करेंगे निकाय

जयपुर। प्रशासन शहरों के संग अभियान को लेकर स्वायत्त शासन विभाग फिर स्पष्टीकरण जारी किया है। विभाग ने साफ किया है कि दस्तावेजों के अभाव और गलत श्रेणी में आवेदन करने पर निकाय आवेदनों को निरस्त नहीं करेंगे। विभाग की ओर से जारी आदेशों में लिखा गया है कि निकायों में चल रहे निरीक्षण के बाद यह बात सामने आई है कि निकाय दस्तावेजों के अभाव में आवेदन निरस्त कर रहे हैं। कई जगहों पर जानकारी के अभाव में गलत श्रेणी में हो रहे आवेदनों को भी निरस्त किया जा रहा है।

बैडमिंटन लीग में डॉक्टर्स की टीमों ने दिखाया दमखम

जयपुर (कासं)। एफ.एस.रियल्टी डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के तीसरे संस्करण के मैचों में कई टीमों ने दमखम दिखाया। वरिष्ठ वर्ग में न्यू लाइफ हॉस्पिटल ने जयपुर ब्रेन एंड स्पाइन को 3-2 से, उर्मिल हॉस्पिटल ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल को 3-2 से, श्री अंश हॉस्पिटल ने यूरो शूटर्स को 4-1 से, किड्स डेंटल ने अमृतम एंड टैगोर हॉस्पिटल को 3-2 से, फ्लो केअर ने मेडिहैल्थ को 4-0 से, रुंगटा हॉस्पिटल ने जयपुर ब्रेन एंड स्पाइन को 3-2 से, महात्मा गांधी ने अमृतम एंड टैगोर हॉस्पिटल को 5-0 से, श्री अंश हॉस्पिटल ने मेडिसपा रॉयल को 3-2 से हराया।

बॉयज वर्ग में जयपुर यूरोलॉजी ने बराला हॉस्पिटल को 3-2 से, शर्मा डायग्नोस्टिक ने प्रकाश हॉस्पिटल को 4-1 से, ए.आई.ओ.एस.एच ने प्रकाश हॉस्पिटल को 3-2 से, शर्मा डायग्नोस्टिक ने जयपुर यूरो को 3-2 से हराया। किड्स वर्ग में ज्योति जगुआर ने जयपुर गैस्ट्रो केअर को 5-0 से, आंच हॉस्पिटल ने जयपुर गैस्ट्रो को 3-2 से हराया। गर्ल्स कैटेगरी में ईएचसीसी ने पैथोस्कोप को 3-2 से, सिद्धार्थ डायग्नोस्टिक ने जुत्शी केअर वेल को 3-2 से हराया। लीग निदेशक डॉ.अनिल यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता करोना वारियर्स को समर्पित है। इसका समापन आगामी 5 दिसंबर को होगा।

मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत रिपोर्ट बनाने के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने रविवार को श्रीरामचन्द्रजी मन्दिर, सिरह ड्योढ़ी बाजार में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रावत ने ऐसे अराजकीय मंदिर जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। उनके जीर्णोद्धार के लिए जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, नियमित पूजा से वंचित मंदिरों को ट्रस्टों, उद्योगों एवं मंदिरों में आस्था रखने वाले व्यक्तियों को गोद दिए जाने के लिए एक स्थाई नीति बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश का कोई भी मंदिर सेवा पूजा से वंचित नहीं रहना चाहिए।

शासन सचिव देवस्थान सीताराम भाले ने विभागीय नीतियों और उनकी क्रियान्विति से अवगत कराते हुए बताया कि विभाग की ओर से मंदिरों का नियमित निरीक्षण कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर आयुक्त करण सिंह, संयुक्त शासन सचिव अजय सिंह राठौड़, उपायुक्त सुनील मत्तड़ एवं सहायक आयुक्त आकाश रंजन और महेंद्र कुमार देवतवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

हड़ताल से बिगाड़ी जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था

जयपुर । शहर में हूपर संचालकों की पिछले तीन दिनों से चल रही हड़ताल खत्म हो गई है। अब सोमवार से एक बार फिर सफाई व्यवस्था पटरी पर आने की उम्मीद जताई जा रही है। तीन दिन की हड़ताल के चलते शहर में कचरे के ढेर लगे पड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक कि बकाया भुगतान की मांग को लेकर ये वेंडर्स हड़ताल पर थे। बीवीजी कंपनी के साथ कई बाद की वार्ता भी हुई, लेकिन अभी तक भुगतान नहीं होने से हूपर चालक काम पर नहीं लौटे। ग्रेटर निगम में 7 और हैरिटेज के दो जोन में काम बंद पड़ा था। निगम के हस्तक्षेप के बाद वेंडर्स को कंपनी ने समय पर भुगतान का आश्वासन दिया है। इस हड़ताल की वजह से शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे पड़े है। परकोटा क्षेत्र, जगतपुरा, सिविल लाइंस, मालवीय नगर समेत कई वीआईपी इलाकों में भी कचरा नहीं उठा है।

वाहन चोर गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार, 7 बाइक बरामद

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र सहित जिलें में वाहन चोरी को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर 7 मोटरसाइकिल बरामद की है। बता दें कि आर्थिक तंगी के चलते आरोपी 2 मौसरे भाइयों ने अपराध की राह पकडी थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आर्थिक तंगी के चलते आरोपियों ने वाहन चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों ने भीलवाडा और अजमेर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चोरी की वारदात को करना कबूल किया है।

कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद दाधीच ने कहा कि भीलवाडा में बढ रही वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने 17.11.2021 को जिला सेशन कोर्ट से मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करने के लिए एएसआई साबिर मोहम्मद, संजय कुमार, पप्पू राम, प्रदीप कुमार, समय सिंह भूपेन्द्र गिरी की एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के दो आरोपी सत्यनारायण लोहार और प्रह्लाद कुमार लोहार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 7 मोटरसाइकिल बरामद की है। वहीं शातिर आरोपी सत्यनारायण लोहार ने सातों मोटरसाइकिल सेशन कोर्ट के बाहर से चोरी की है। कोतवाली थाने के एएसआई साबिर मोहम्मद ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी आपस में मौसेरे भाई हैं, जिन्होंने आर्थिक तंगी के चलते वाहन चोरी की वारदात को करना शुरू किया था, दोनों आरोपियों ने भीलवाड़ा और अजमेर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 30 से 40 मोटरसाइकिल चोरी करना कबूल किया है।

भीलवाड़ा पुलिस ने बाइक चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

- **आर्थिक तंगी के चलते आरोपियों ने वाहन चोरी की वारदात को अंजाम दिया**

राजस्थान शिक्षक संघ अंबेड़कर ने राजस्व मंत्री का स्वागत किया

भीलवाडा, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के जिला अध्यक्ष अतुल गुरावा जिला महामंत्री सतीश टाक संगठन के संरक्षक श्याम लाल खटीक प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र मार्ग सभा अध्यक्ष नारायण लाल रेगर सुरेश नकवाल डॉ दीपक मीणा प्रदेश प्रतिनिधि राजेश पवार संगठन के फाउंडर मेंबर कैलाश खटीक सीपी मारु प्रधानाचार्य जगदीश चंद्र खटीक प्रधानाचार्य दिनेश कोली प्रधानाचार्य नाथू लाल बलाई भंवर मेघवंशी डॉ विनोद कुमार जीनगर व्याख्याता एग्रीकल्चर सभी ने आज रविवार को सर्किट हाउस में राजस्व मंत्री रामलाल जाट राजस्थान सरकार का गुलदस्ता भेंट कर और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर साहब की तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर का जिला अधिवेशन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र मार्ग के प्रधानाचार्य श्याम लाल खटीक के सानिध्य में 30 नवंबर 2021 को आयोजित किया जाएगा। संघ के जिलाध्यक्ष अतुल गुरावा ने बताया कि सम्मेलन सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए निम्न सदस्यों की समिति गठित की गई है जिनमे डॉ दीपक मीणा प्रधानाचार्य जगदीश चंद्र खटीक, प्रधानाचार्य डॉ विनोद कुमार जीनगर, व्याख्याता कृषि विज्ञान सभा अध्यक्ष नारायण रेगर संगठन के वरिष्ठ सदस्य सुरेश नकवाल, राजेश कुमार पवार आदि ने बैठक कर संगठन को सफल बनाने की अपील की।

सर्किट हाउस में राजस्व मंत्री रामलाल जाट का गुलदस्ता भेंट कर और डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया।

भाजपा महिला मोर्चा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

भीलवाडा, (निसं)। भाजपा जिला महिला मोर्चा की बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली के मुख्य आतिथ्य, मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजू पालीवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें महिला मोर्चा प्रभारी राजकुमार आंचलिया, युवा मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद शर्मा, महिला महिला मोर्चा जिला महामंत्री सोनिया कोहली मंचासीन रहे।

- **महिला मोर्चा मंडल संरचना 5 दिसंबर तक पूर्ण होगी**

बैठक में जिले की संपूर्ण कार्यकारिणी गठन के लिए पदाधिकारी को विभिन्न दायित्व प्रदान किया और मंडल संरचना 5 दिसंबर तक पूर्ण करने एवं आने वाली जिला कार्यसमिति पर विस्तृत चर्चा की गई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि संचालन महिला मोर्चा जिला महामंत्री सुमित्रा पोरवाल ने किया। बैठक में वरिष्ठ कार्यकर्ता मंजू पंचोली, उपाध्यक्ष विमला चेचानी, सुशीला चौधरी, ललिता शर्मा, रेखा शर्मा, सुलक्षणा शर्मा, आईटी प्रभारी सोनिया पारीक, मंडल प्रभारी इंदु बंसल, मंडल अध्यक्ष अनुराधा कवर, समता सनाढ्य, मोनिका माहेश्वरी, कमलेश कंवर, मीनाक्षी नाथ, लक्की चुंडावत, मूमल कंवर, उपस्थित रहे।

मदनगंज-किशनगढ में मार्बल व्यवसायी दीपक मोदानी की पुत्री भूमि मोदानी ने योग को बढावा देने के लिये सूर्य नमस्कार में विश्व कीर्तिमान हासिल कर इंटरनेशनल बुक्स ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। नो वर्षीय बिटिया देहली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में कक्षा चार में अध्यनरत है, इसने केवल एक मिनट में 12 सूर्य नमस्कार अथार्थ 144 आसन कर परिवारजनों सहित माहेश्वरी समाज व किशनगढ का नाम रोशन किया। है। भूमी ने अपनी सफलता का श्रेय दादा दादी, माता पिता व गुरुजन को दिया। बालिका ने निम्बार्क तीर्थ सलेमाबाद जाकर जगतगुरु श्यामशरण देवाचार्य महाराज से आशिर्वाद लिया।

'धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जीवन के आधार है'

आसींद, (निसं)। मानव जीवन के चार सोपान धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष हमारे जीवन के आधार हैं। इनके प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए। धर्म को धारण करो, अर्थ अर्जित करो, अर्थ के द्वारा अपने कार्य पूर्ण करो और फिर योग साधना करते हुए परमात्मा को प्राप्त करो। तभी मानव जीवन का लक्ष्य पूरा हो सकता है। इसलिए धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ही मानव जीवन के आधार हैं। उक्त विचार तपाचार्य साध्वी जयमाला की सुशिष्या साध्वी डॉ. चंद्रप्रभा ने चेनपुरा से विहार कर सड़क का बाड़िया में धर्मसभा में व्यक्त किये। साध्वी आनन्दप्रभा, साध्वी चंदनबाला, साध्वी विनितरूप प्रज्ञा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर सड़क के बाड़िया के सरपंच दादू सिंह सहित समेलिया, चेनपुरा ग्राम के श्रावक- श्राविका उपस्थित थे।

'महात्मा फुले ने समाज को आगे बढ़ाने के लिये शिक्षा का मूलमंत्र दिया'

अजमेर, (कासं)। महात्मा ज्योतिबा फुले को उनके स्मृति दिवस के अवसर पर राजनीतिक, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने अजमेर क्लब स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व मंत्री जसराज जयपाल ने कहा कि महात्मा फुले ने गरीबों एवं पिछडों के सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान के लिये जीवनभर संघर्ष किया।

- **महात्मा फुले को स्मृति दिवस पर नमन किया**

उन्होंने समाज को आगे बढाने के लिये शिक्षा का मूलमंत्र दिया जिससे कमजोर, वंचित एवं पिछडे वर्ग के लोग भी विकास की मुख्यधारा से जुडकर अपनी सहभागिता निभा सकें। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले ने छूआछूत, जातिप्रथा एवं पर्दाप्रथा जैसी कुरीतियों के विरूद्ध संगठित एवं शिक्षित समाज की स्थापना की अभिनव पहल की थी। हम समाज से कुरीतियों को दूर करने एवं अशिक्षा के अंधियारे को मिटाते हुए एक विकसित एवं समृद्धशाली राष्ट्र का निर्माण करने में सहभागिता निभायें।

पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल ने कहा कि हम सबका यह दायित्व है कि महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन संदेश का अधिक से अधिक प्रसार करे और समाज में ऐसा माहौल बनाए कि कोई भी बालक.बालिका अच्छी शिक्षा से वंचित न रहे।

इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ संजय पुरोहित, प्रदेश महासचिव डॉ जी एस बुंदेला जिला अध्यक्ष डॉ मयंक शुभम, डॉ मंसूर अली, डॉ सुरेश गर्ग, डॉ सतीश शर्मा अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान उपाध्यक्ष कुलदीप कपूर फकरे मोइन महासचिव शिव कुमार बंसल अशोक बिंदल विजय नागोरा ओबीसी विभाग के संयोजक मामराज सेन पार्षद हेमंत जोधा कपिल सरस्वत कुशाल कोमल, नरेंद्र तुनवाल, धर्मेंद्र नागवाल सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले को स्मृति दिवस पर राजनीतिक, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

संक्षिप्त

भील बालिका ने स्कूल का नाम रोशन किया

बांदनवाड़ा, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुड्डा खुर्द की छात्रा मीरा भील ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एथलेटिक प्रतियोगिता पैदल चाल में प्रतियोगिता जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। ग्रामवासियों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक राव व समस्त विद्यालय स्टाफ को बधाई दी तथा स्वागत किया। इस मौके भामाशाह रामकुंवार गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि एडवोकेट रमेश मेघवंशी, अध्यक्ष लालचंद प्रजापत, नाथू लाल सेन, रामदेव मेघवंशी, लोकेश शर्मा, महेंद्र सेन, भेरू लाल गुर्जर, छोटू लाल गुर्जर, अनिल जैन, कालूराम कटारिया, कुलदीप सेन, रामगोपाल मेघवंशी, राधेश्याम खटीक, रामदेव खटीक, देव बेरवा, भागचंद गुर्जर, कमल कुमार जैन, राम गोपाल सेन, आशाराम मीणा, ओमप्रकाश गुर्जर व रामदेव भील आदि मौजूद रहे।

खाद नहीं मिलने से किसान परेशान

सरवाड़, (निसं)। किसानों को यूरिया खाद नहीं मिलने से परेशान नजर आ रहे हैं तथा दुकानों के चक्कर काट रहे हैं इन दिनों किसान सरसो में पिलाई के दौरान यूरिया खाद का छिड़काव करने में लगे हुए हैं मगर यूरिया खाद उपलब्ध नहीं होने से किसान मायूस नजर आ रहे हैं किसानों के एक शिष्टमंडल ने ज्ञापन भेजकर यूरिया खाद उपलब्ध कराने की मांग की।

व्यंग्यकार कामरेड दिनेश गौड नहीं रहे

अजमेर, (कासं)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कमेटी अजमेर के बौद्धिक मनीषी वामपंथी विचारक पार्टी के वरिष्ठ साथी दिनेश चन्द्र गौड अजमेरी ने रविवार को अलसुबह अंतिम सांस ली।

सेवा भारती ने ऊनी वस्त्रों का वितरण किया

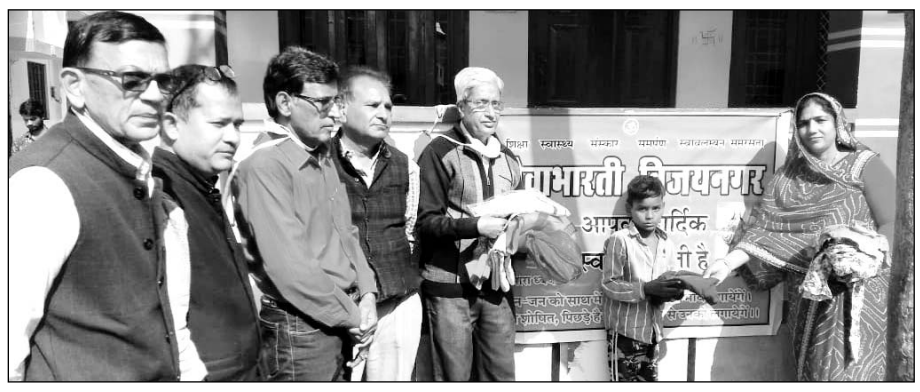

बिजयनगर, (निसं)। सेवा भारती समिति बिजयनगर ने रविवार को कच्ची बस्ती तारो का खेडा, चौसला में निशक्तजनों व जरूरतमंद लोगों को कपडों व ऊनी वस्त्रों का वितरण किया।

समिति जिला मंत्री लोकेश कुमार वर्मा ने बताया कि सर्दी के मौसम को देखते हुए समिति के सदस्यों ने रविवार प्रात: शिखरानी रोड स्थित कच्ची बस्ती चौसला व तारो का खेड़ा में जरूरतमंद व वंचित वर्ग के महिलाओं, बच्चों व परुषों को 500 जोड़ी से अधिक पहनने योग्य वस्त्रों का वितरण किया। सेवा भारती का इस पुनीत कार्य हेतु धन्यवाद किया। साथ ही समिति ने 1 वंचित बालक के दिल का ऑपरेशन करवाने की जिम्मेदारी ली।

पीडित परिवार को पूर्ण सहायता का विश्वास दिया। कच्ची बस्ती में जल्द ही महिलाओं के स्वावलंबन हेतु महिला सिलाई केंद्र खोलने की योजना है ताकि महिला वर्ग को मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण लाल शर्मा, मंत्री सुरेश मुणोत, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण शर्मा, महेश पारीक, ज्ञान देव व्यास, महिला मंडल सयोजिका इंदु बाला व सह सयोजिका सीमा शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्तिथ रहे।

भागवत कथा में भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया

रूपनगढ़, (निसं)। रूपनगढ़ स्थित सारण परिवार के द्वारा आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन सारण परिवार परिसर में किया जा रहा है। कथा के क्रम में रविवार को कथा का आयोजन प्रात: 11:30 बजे प्रारम्भ हुआ जिसमें कथा वाचक पंडित रामप्रसाद शास्त्री ने भागवद् कथा में कृष्ण जन्मोत्सव का सुखमय वर्णन किया। साथ ही झांकियों सहित भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया। इस मौके पर रूपनगढ़ कस्बे के ग्रामीण महिला पुरुष भक्तगणो ने भगवान के बाल रूप का दर्शन लाभ लिए। कथा का आयोजन ओमप्रकाश, रामनिवास, बुद्धिप्रकाश, श्रीनिवास, जितेंद्र, दीपेन्द्र, नितेश, यश सारण परिवार द्वारा किया जा रहा हैं। इस अवसर पर भक्तगण गिरिराज लखोटिया, किशन अग्रवाल, रामगोपाल दाधिच, प्रेमप्रकाश अग्रावत सहित आस पास के गाँवों से भी आए।

सार-समाचार

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

गुलाबपुरा, (निसं)। स्थानीय श्री खेड़ा चौसला श्री देवनारायण मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्री मद्भागवत कथा में श्री महाकालेश्वर श्री दिव्य मोरारी बापू ने भगवान श्री कृष्ण के प्रति सुदामा के प्रेम भक्ति व मित्रता के प्रसंग में विस्तार से वर्णन किया गया। श्री मद्भागवत कथा के समापन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पूर्व चेयरमैन धनराज गुर्जर ने कथा वाचक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री दिव्य मोरारी बापू का पुष्प वर्षा कर नमन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान लवकुश दास महाराज, घनश्यामदास महाराज, रामदुलारे सिंह, कैलाश सोनी, फतेहलाल काठेड, महावीर गुर्जर, गौतम आंचलिया, अरविंद माहेश्वरी सहित श्रद्धालु मौजूद थे। कथा समाप्ति के बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

शिविर में 151 रोगियों की जांच

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। सेवा भारती एवं डालमिया सेवा ट्रस्ट दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल के पास आयोजित नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में 151 रोगियों की जांच कर दवा वितरित की गई। शिविर का शुभारंभ संत कृष्णानंद ने किया। शिविर में शुगर, अस्थमा, लिवर आदि रोग से पीडित रोगियों की जांच कर उपचार किया गया। वैद्य गणेश पंचारिया, कैलाश रत्नू, पुरुषोत्तम शर्मा ने सेवाएं दी। इस दौरान संरक्षक पारसमल जैन, प्रो. मिलाप चंद जैन, संयोजक राजेश नवहाल, रामनिवास सामरिया, सचिव गिरधर पुरोहित, उपाध्यक्ष विनोद जैन उपाध्यक्ष गुलाब चंद दाधीच, कर्मचंद जैन, शंकरलाल कुमावत, संतोष शुक्ला, भंवरलाल साहू, अक्षय सिंह बाफना, ज्ञानप्रकाश जेथलिया, दिनेश चाष्टा, महेंद्र जैन मौजूद रहे।

विधायक भदेल ने वार्ड 21 में सड़क व नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक एवं पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिता भदेल ने रविवार को मुख्य अतिथि के रुप में वार्ड 21 में पार्षद कोष से पहाडगंज माली मौहल्ला व खटीक बस्ती में बनने वाली नाली व सडक निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

विधायक भदेल ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्षद कोष से वार्ड 21 माली मौहल्ला एवं खटीक बस्ती में बनने वाली सडक व नाली निर्माण कार्य का रविवार को शिलान्यास किया गया है जिससे क्षेत्रवासियों के आवागमन में सुविधा रहेगी। साथ ही विधायक भदेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहां कि शीघ्र ही वार्ड 21 में खटीक समाज के मंदिर के समीप से गुजरने वाले नाले एवं पुलिया निर्माण के लिए विधायक कोष से 20 लाख रुपए एवं मालियो की बगीची व जटिया कॉलोनी में 10 लाख रुपए की लागत से सडक व नाली निर्माण कार्य प्रारंभ होने वाला है।

कार्यक्रम में आर्य मण्डल अध्यक्ष मोहन लालवानी, पार्षद किरण तुनगरिया, पूर्व मण्डल अध्यक्ष रमेश मारु, मण्डल महामंत्री गोविन्दराज, पूर्व

विधायक भदेल ने पार्षद कोष से वार्ड 21 माली मौहल्ला एवं खटीक बस्ती में बनने वाली सड़क व नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा रहेगी।

- **शिलान्यास कार्यक्रम में क्षेत्रवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे**

आदर्श मण्डल अध्यक्ष सोहन शर्मा, अर्जुनलाल बोहरा, खेमचंद, शिव शर्मा,अशोक, सीताराम शेरा,नरेश, ताराचंद, प्रभुदयाल फुलवारी, रवि सिवासिया, ओमप्रकाश बाकोलिया, घनश्याम खत्री, राजुकमार हरियाल,विजय गोयर, लोकेश गुडियाल, अशोक बंशीवाल, राजेश मोर्य, रमेश तुनगरिया, मुकेश भूराडिया, मूलचंद, बाबूलाल खन्ना, गणपत लाल, कैलाश, देवेश, प्रदीप, सुमित सहित अन्य क्षेत्रवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मैं इस तरह के मुहावरे नहीं कहना चाहता हूं। मैं काफी समय से उम्मीदों के बोझ तले जी रहा था। मेरे लिए क्रिकेट मेरी जिंदगी का लक्ष्य है। अब मैं उस स्टेज पर हूं जहां मैं बाहरी शोर को पहले से बेहतर तरीके से अनदेखा कर रहा हूं।

-आर अश्विन

भारतीय क्रिकेटर, अपने प्रदर्शन के बारे में

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

श्रेयस अय्यर

भारत ने न्यूजीलैंड को कानपुर में जारी पहले टेस्ट मैच में जीत के लिए 284 रन का टारगेट दिया है। यह भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का डेब्यू टेस्ट रहा, जिसमें उन्होंने अपनी चमक बिखेरी है। भारत की पहली पारी में श्रेयस अय्यर ने 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 105, जबकि दूसरी इनिंग में 9 बाउंड्री की मदद से 65 रन बनाए। इसी के साथ अय्यर डेब्यू टेस्ट की दोनों पारियों में 50 रन बनाने वाले पहले भारतीय बन गए। अय्यर ने इस मैच में कुल 170 रन बनाए। इन दोनों पारियों के साथ वह पदार्पण टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे भारतीय खिलाडी बन गए।

क्या आप जानते हैं ?... 2006 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत हॉकी महिला टीम ने न्यूजीलैण्ड की टीम को हराया।

हार्दिक पंड्या ने खुद टीम इंडिया में आने से मना किया

नई दिल्ली 28 नवम्बर। इंडियन प्रीमियर लीग 2021 सीजन और फिर टी-20 वर्ल्ड कप में पूरी तरह फ्लॉप रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब कोई जल्दबाजी करने के मूड में नहीं हैं। आईपीएल और वर्ल्ड कप में वे पूरी तरह से फिट नहीं थे, इसके बावजूद उनका सिलेक्शन हुआ और वे दोनों टूर्नामेंट खेले भी। हालांकि, वे कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। ऐसे में उनकी जमकर आलोचना भी हुई।

आजतक को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि अब हार्दिक पंड्या ने सिलेक्शन कमेटी को साफ लफ्जों में कह दिया है कि जब तक वे पूरी तरह फिट नहीं हो जाते, तब तक उन्हें किसी भी सीरीज के लिए सिलेक्ट नहीं किया जाए। हार्दिक ने कहा कि वे पूरी तरह फिट होकर ही किसी सीरीज में सिलेक्ट होने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

अय्यर का रिकॉर्ड, साहा का नाबाद अर्धशतक, भारत को आखिरी दिन नौ विकेट की जरूरत

कानपुर, 28 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट महज 51 रन पर गंवाने के बावजूद भारत ने बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाते हुये रविवार को चौथे दिन सात विकेट पर 234 रन बनाकर पारी समाप्ति की घोषणा की और मेहमान टीम को जीत के लिये 284 रनो का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में कीवी टीम ने एक विकेट गंवा कर चार रन बना लिये थे।

ठीनपार्क मैदान पर भारत ने अपनी पहली पारी में 345 रन बनाये थे जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी 296 रन पर सिमट गयी थी। पहली पारी में 49 रन की महत्वपूर्ण लीड लेने के बाद भारत ने आज दूसरी पारी सात विकेट पर 234 रन पर घोषित कर दी। मेहमान टीम की दूसरी पारी के आज महज चार ओवर के खेल मे रविचंद्रन अश्विन ने सलामी बल्लेबाज विल यंग को महज दो रनों के निजी स्कोर पर पगबाधा आउट कर भारतीय टीम को जीत की ओर एक कदम चलवा दिया। दिन का खेल खत्म होने के समय टाम लाथम (2) और नाइट वाच मैन की भूमिका में विलियम सोमरविल बगैर खाता खोले क्रीज पर डटे हुये थे।

इससे पहले भारतीय टीम ने दूसरी पारी में अपने कल के स्कोर एक विकेट पर 14 रन से आगे खेलना शुरू किया और लंच तक अपने एक के बाद एक चार विकेट गंवा दिये। लंच पर भारत का स्कोर पांच विकेट पर महज 84 रन था। लंच के समय पहली पारी के शतकवीर श्रेयस अय्यर 18 और रविचंद्रन अश्विन 20 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुये थे। भोजनावकाश के बाद भी श्रेयस और अश्विन

की जोड़ी ने संभल कर खेलते हुये अर्धशतकीय साझीदारी की मगर इस बीच अश्विन 32 रन के निजी स्कोर पर काइल जैमिसन का शिकार बने। बाद में श्रेयस और नये बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा (61 नाबाद) ने खेलना शुरू किया और श्रेयस ने आठ चौकों और एक छक्के की सहायता से 65 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली।

पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने का कारनामा करने वाले श्रेयस पहले भारतीय टेस्ट बल्लेबाज बने। वह टिम साउदी की गेंद पर विकेटकीपर ब्लेंडल के हाथो लपके गये। श्रेयस ने 125 गेंदों पर 65 रन में आठ चौके और एक छक्का लगाया। श्रेयस के आउट होने के समय भारत का स्कोर सात विकेट पर 167 रन था और भारतीय पारी के जल्द खत्म होने की संभावना जतायी जाने लगी थी मगर चोटिल साहा ने ठोस बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये अपने जोड़ीदार अक्षर पटेल (28 नाबाद) के साथ कीवी गेंदबाजों को भारतीय बल्लेबाजी की गहराई का अहसास कराया।

मैदान पर कम होती रोशनी के बीच भारतीय कप्तान आंजिक्य रहाणे ने पारी के 81वें ओवर के बाद पारी समाप्ति का घोषणा कर दी। साहा 126 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के के सहारे 61 रन बनाकर नाबाद लौटे। यह उनका छठा अर्धशतक था। पटेल ने 67 गेंदों पर नाबाद 28 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया।

सोमवार मैच का अंतिम दिन है जिसमें भारतीय टीम सुबह के सत्र में ही कुछ विकेट झटकने के साथ मेहमानो को दवाब मे लाने की कोशिश करेंगे। न्यूजीलैंड को आज पहली सफलता चेतेश्वर पुजारा (22) के विकेट के तौर पर मिली जो काइल जेमिसन की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गये। पारी के 15वें ओवर में एजाज पटेल ने नये बल्लेबाज कप्तान आंजिक्य रहाणे को मात्र चार रन के

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी 345 रन
न्यूजीलैंड पहली पारी 296

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मर्यक का लाथम बो साउदी	17	53	3	0
शुभमन गिल बो जैमिसन	01	3	0	0
पुजारा का ब्लंडेल बो जैमिसन	22	33	3	0
अजिंक्या रहाणे बो एजाज पटेल	04	15	1	0
श्रेयस का ब्लंडेल बो साउदी	65	125	8	1
जडेजा पगबाधा बो साउदी	00	2	0	0
आश्विन बो जैमिसन	32	62	5	0
रिंधिमान साहा अविजित	61	126	4	1
अक्षर पटेल अविजित	28	67	2	1

अतिरिक्त : 04
कुल : 81ओवर में सात विकेट पर 234 रन पारी घोषित
गेंदबाजी:-टिम साउदी 22-2-75-3, काइल जैमिसन 17-6-40-3, एजाज पटेल 17-3-60-1, रचिन रवींद्र 9-3-17-0, सोमरविले 16-2-38-0

न्यूजीलैंड दूसरी पारी

टॉम लाथम खेल रह	02	13	0	0
विल यंग पगबाधा बो अश्विन	02	6	0	0
विलियम सोमरविले खेल रहे	00	5	0	0

अतिरिक्त :00
कुल: चार ओवर में एक विकेट पर चार रन
गेंदबाजी:-रविचंद्रन अश्विन 2-0-3-1, अक्षर पटेल 2-1-1-0

निजी स्कोर पर पगबाधा आउट कर भारतीय उम्मीदों को करारा झटका दिया। मैच से पहले आउट आफ फार्म चल रहे पुजारा और रहाणे से खेल प्रेमियों को काफी आशायें थी मगर अब इसके लिये उन्हे अगले मैच का इंतजार करना पड़ेगा। भारत की दूसरी पारी अभी संभली नहीं थी कि टिम साउदी ने मयंक अग्रवाल (17) को टाम लाथम के हाथो कैच आउट करा कर चौथा झटका दिया जबकि नये बल्लेबाज रविन्द्र जडेजा को पगबाधा आउट किया। पहली पारी में अर्धशतकीय पारी खेलने वाले जडेजा दूसरी पारी अपना खाता भी नहीं खोल सके थे और मात्र दो गेंद खेलने के बाद पवेलियन लौट गये।

मुशफिकुर रहीम बनें बांग्लादेश के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

बांग्लादेश 28 नवम्बर। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैच की सीरीज का पहला मुकाबला चैटोठाम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में मेजबान टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने इतिहास रच दिया है। मुशफिकुर अब बांग्लादेश के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में उन्होंने यह कारनामा किया। मुशफिकुर से पहले यह रिकॉर्ड सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल के नाम था। उन्होंने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में 39.57 की औसत से 4788 रन बनाए हैं। बात मुशफिकुर के टेस्ट करियर की करें तो उन्होंने अभी तक 76 मुकाबले खेले हैं जिसमें 37.44 की औसत से उन्होंने 4793 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 24 अर्धशतक और 7 शतक जडे हैं।

मिताली और झूलन को आराम, विश्व कप के लिए दावा पेश करेंगी 60 महिला क्रिकेटर

नयी दिल्ली, 28 नवम्बर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू सीनियर महिला वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। चार टीमों का यह टूर्नामेंट चार से नौ दिसंबर के बीच विजयवाड़ा में खेला जाएगा।

हालांकि इस टूर्नामेंट के लिए सीनियर खिलाड़ियों मिताली राज, झूलन गोस्वामी, और महिला बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलीं आठ में से सात खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

इस बार इस टूर्नामेंट में तीन की जगह चार टीमें खेलेंगी। अगले साल न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप से पहले बोर्ड कई नए युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर मौक़ा देना चाहता है।

महिला बीबीएल में खेलीं राधा यादव एकमात्र ऐसी खिलाड़ी हैं, जो ऑस्ट्रेलिया से लौट कर इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। उन्हें टी20 विशेषज्ञ माना जाता है और वह वन डे टीम के लिए अपना दावा करना चाहती हैं। बीबीएल में भाग लेने वाली अन्य सात खिलाड़ियों को यह विकल्प दिया गया था कि वह इस टूर्नामेंट में खेलें या नहीं, क्योंकि वे जून-जुलाई के इंग्लैंड दौरे से लगभग लगातार ही बबल में थीं।

स्नेह राणा, तानिया भाटिया, शिखा पांडे और पूजा वस्त्रकर को क्रमशः इंडिया ए, बी, सी और डी टीमों का कप्तान बनाया गया है। प्रत्येक टीम में कुल 15 खिलाड़ी हैं।

चारों टीमें इस प्रकार हैं: **इंडिया ए:** स्नेह राणा (कप्तान), शिवली शिंदे, लक्ष्मी यादव, वृंदा दिनेश, झांसी लक्ष्मी, यास्तिका भाटिया, सुश्री दिव्यदर्शनी, महक केसर, बी. अनुषा, एस.एस. कलाल, गंगाडब्ल्यू, डी.डी. कसात, रेणुका सिंह और सिमरन दिल बहादुर

इंडिया बी: तानिया भाटिया (कप्तान), अंजू तोमर, रिया चौधरी, पलक पटेल, शुभा सतीश, हरलीन देओल, हुमैरा काज़ी, चंदू वी राम, राशि कनौजिया, जी.तृषा, सौम्या तिवारी, मेघना सिंह, सरला देवी, साइमा ठाकुर और राम्याश्री

इंडिया सी: शिखा पांडे (कप्तान), मुस्कान मलिक, श्वेता वर्मा, शिप्रा गिरी, तरन्नुम पठान, आरती देवी, राधा यादव, सी. प्रत्यूषा, अनुष्का शर्मा, काशवी गौतम, प्रियंका गरखेडे, आरआर साहा, धारा गुर्जर, प्रिया पुनिया और ऐश्वर्या

इंडिया डी: पूजा वस्त्रकर (कप्तान), अमनजोत कौर, इंद्राणी रॉय, के. प्रत्यूषा, एस. मेघना, दिव्या जी, आयुषी सोनी, कनिका आहूजा, कीर्ति जेम्स, राजेश्वरी गायकवाड़, संजुला नाइक, मोनिका पटेल और अश्विनी कुमारी

डेविस कप फाइनल्स में जोकोविक सर्बिया को नहीं दिला पाए जीत, जर्मनी से मिली हार

वाशिंगटन, 28 नवम्बर। विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाडी नोवाक जोकोविक ने सिंगल्स और पुरुष डबल्स दो मुकाबले खेले लेकिन इसके बावजूद वह अपनी टीम सर्बिया को डेविस कप फाइनल्स टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में जर्मनी के खिलाफ जीत नहीं दिला पाए।

कोरोना वायरस पाबंदियों के कारण खाली स्टेडियम में हुए मुकाबले में डोमीनिक कोफर ने फिलिप क्राजिनोविक को 7-6, 6-4 से हराकर जर्मनी को 1-0 से बढत दिलाई। लेकिन नोवाक जोकोविक ने अपने 50वें डेविस कप मुकाबले में जेन-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-2, 6-4 से हराकर सर्बिया को 1-1 से बराबरी दिला दी। संक्षिप्त ब्रेक के बाद जोकोविक डबल्स मुकाबले के लिए उतरे लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। जोकोविक ने निकोला सेसिक के साथ जोड़ी बनाकर डबल्स मुकाबले में उतरे। टिम पुएट्ज और केविन क्राविट्ज की जोडी ने कड़े मुकाबले में जोकोविक और निकोला की जोडी को 7-6, 3-6, 7-6 से शिकस्त देकर जर्मनी को 2-1 से जीत दिला दी। डबल्स मुकाबला हारने के बाद जोकोविक ने अपना रैकेट गुस्से में कोर्ट पर फेंक दिया। सर्बिया की टीम अब भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना सकती है। छह ग्रुप विजेता और दो उप विजेता अंतिम-आठ में जगह बनाएंगे। जर्मनी की टीम ग्रुप-एफ में आस्ट्रिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर सकती है जबकि आस्ट्रिया को सर्बिया ने हराया था।

भारत ने पोलैंड को 8-2 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

भुवनेश्वर, 28 नवम्बर। ओडीसा में चल रही जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने तीसरे मुकाबले में पोलैंड को 8-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना जगह बनाई है। इस मुकाबले में संजय, हुंडल अरइजीत सिंह और सुदीप चिरमाको ने 2-2 गोल दागे जबकि उत्तम सिंह और शारदानंद तिवारी ने 1-1 गोल किया। पोलैंड के लिए वोज्सेच रुत्कोव्स्की और रॉबर्ट पॉवलक ने 1-1 गोल किया। भारत के पहले 2 मैचों में हैट्रिक बनाने के बाद उप कप्तान संजय ने शानदार फॉर्म जारी रखी जबकि कनाडा के खिलाफ हैट्रिक करने वाले हुंडाल ने भी इस मैच में 2 गोल दागे। भारतीय जूनियर हॉकी टीम का सामना अब एक दिसंबर को क्वार्टर फाइनल में पिछले चरण की उप विजेता बेल्जियम से होगा। बेल्जियम ने पूल-ए में गोल अंतर में मलेशिया को पछाड़ा क्योंकि दोनों टीमों के 7-7 अंक थे। टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में भारत को फ्रांस से हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में भारत को क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का करने के लिए दोनो मैच जीतना जरूरी था। भारत ने पहले कनाडा को 13-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल के लिए अपनी उम्मीद बनाए रखी थी। वहीं पोलैंड के खिलाफ मुकाबला उसके लिए करो या मरो जैसा था। टार ड्रैग फ्लिकर संजय ने चौथे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से टीम के लिए पहला गोल किया। यह उनका टूर्नामेंट का सातवां गोल था। इसके ठीक चार मिनट बाद भारत ने अपनी बढ़त दो गुनी कर दी। जिसमें फिर गोल पेनल्टी कॉर्नर से हुआ लेकिन यह गोल हुंडाल ने किए। फिर 24 वें मिनट में सुदीप ने शानदार मैदानी गोल से भारत की बढत तीन गुनी कर दी।

अर्जेंटीना से हारकर पाकिस्तान बाहर

भुवनेश्वर, 28 नवम्बर। पाकिस्तान की टीम अर्जेंटीना से रविवार को बेहद नजदीकी मुकाबले में 3-4 से हारकर जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल की होड से बाहर हो गयी। पाकिस्तान को तीन मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा जबकि अर्जेंटीना ने दूसरी जीत हासिल की और उसने छह अंकों के साथ अंतिम आठ में स्थान बना लिया। अर्जेंटीना ने मैच के 10वें मिनट में बतिस्ता कापुरो के गोल से बढ़त बनायी। पाकिस्तान को कप्तान अब्दुल राणा ने 17वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल कर बराबरी दिला दी। अर्जेंटीना ने 20वें मिनट में इग्नेसियो नारदोलिलो के गोल से फिर बढ़त बना ली। रिजवान अली ने 28वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर पाकिस्तान के लिए फिर बराबरी का गोल दाग दिया। फ्रांसिस्को रुइज ने 30वें मिनट में अर्जेंटीना को 3-2 से आगे किया जबकि इग्नेसियो इबारा ने 47वें मिनट में अर्जेंटीना को 4-2 की मजबूत बढ़त दिला दी। अकील अहमद ने 53वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर पर पाकिस्तान का तीसरा गोल दागा। लेकिन उसके बाद उसे बराबरी का गोल नहीं मिल पाया और उसे बाहर हो जाना पड़ा।

बंगलादेश ने गंवाए 4 विकेट

चटगांव, 26 नवम्बर। लेफ्ट आर्म स्पिनर तेजुल इस्लाम ने घातक गेंदबाजी करते हुए 116 रन पर सात विकेट लेकर पाकिस्तान को पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को पहली पारी में 286 रन पर समेट दिया। बंगलादेश को पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल हुई।लेकिन दूसरी पारी में बंगलादेश ने लड़खड़ाती शुरुआत करते हुए अपने चार विकेट मात्र 39 रन तक गंवा दिए। बंगलादेश के पास अब कुल बढ़त 83 रन की हो गयी है और उसके छह विकेट बाकी हैं। इससे पहले पाकिस्तान के आबिद अली ने 93 रन से आगे खेलते हुए 282 गेंदों में 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 133 रन बनाये जबकि अब्दुल्लाह शफीक अपने कल के 52 रन के स्कोर में कोई इजाफा किये बिना आउट हो गए। अजहर अली का खाता नहीं खुला और कप्तान बाबर आजम 10 रन बनाकर हसन मिराज का शिकार बने। फहीम अशरफ ने 80 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के के सहारे 38 रन बनाकर टीम को 286 रन तक ले गए और आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। तेजुल इस्लाम ने 44.4 ओवर में 116 रन देकर सात विकेट हासिल किये।

अश्विन ने की हरभजन की बराबरी

कानपुर, 28 नवम्बर। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने न्यूज़ीलैंड की दूसरी पारी में विल यंग को पगबाधा कर अपना 417वां अंतर्राष्ट्रीय विकेट लिया और इसके साथ ही वह भारत के महानतम ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह की बराबरी पर पहुंच गए। 35 वर्षीय अश्विन के इस मैच से पहले तक 413 विकेट थे। पहली पारी में तीन विकेट लेकर उन्होंने अपने विकेटों की संख्या 416 पहुंचा दी और दूसरी पारी में अपना पहला विकेट लेने के साथ ही उनके 417 विकेट हो गए। हरभजन ने 103 टेस्टों में 417 विकेट लिए थे जबकि अश्विन अपने 80 वें टेस्ट में इस उपलब्धि तक पहुंचे हैं। अश्विन इसके साथ ही टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में 13 वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके पास कानपुर टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन हरभजन से आगे निकलने का पूरा मौका रहेगा।

स्पेन क्वार्टरफाइनल में

भुवनेश्वर, 28 नवम्बर। स्पेन ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई टीम दक्षिण कोरिया को रविवार को 9-0 से करारी शिकस्त देते हुए जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल सी से क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। स्पेन की तरफ से पेप कुनील ने 19वें और 40वें मिनट में,इग्नेसियो अबाजो ने 35वें और 44वें मिनट तथा पायो कुनील ने 55वें और 58वें मिनट में दो-दो गोल किये। गुइलर्मो फोर्च्युनो ने आठवें मिनट में पहला गोल किया। एडवर्ड सिमो डी इग्नेसियो ने 24वें मिनट में टीम का तीसरा गोल दागा। राफेल विलालांगा ने 51वें मिनट में टीम का अन्य गोल किया। स्पेन की तीन मैचों में यह दूसरी जीत रही और वह ग्रुप में हॉलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय चुनौती समाप्त

ह्यूस्टन, 28 नवम्बर। भारतीय जोड़ियों की क्वार्टरफाइनल में हार के साथ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत की चुनौती समाप्त हो गयी। मणिका बत्रा और जी सत्यन की मिश्रित युगल जोडी तथा अर्चना कामथ और मणिका बत्रा की महिला युगल जोड़ी को अपने सम्बंधित क्वार्टरफाइनल मैचों में हार का सामना करना पडा। महिला युगल क्वार्टरफाइनल में मणिका और अर्चना को लक्समबर्ग की सराह दी नुत्ते और नी जिया लियॉन से एकतरफा अंदाज में 0-3(1-11, 6-11, 8-11) से हार का सामना करना पड़ा। बाद में मिश्रित युगल में मणिका और सत्यन को जापानी जोड़ी तोमाकाजू हरिमोत्तो और हिना हयाता से 1-3 (5-11, 2-11, 11-7, 9-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी।

विजय चौथे स्थान पर रहे

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 64वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप के पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रविवार को स्वर्ण पदक अपने किया जबकि वापसी करने वाले ओलिंपिक रजत पदक विजेता विजय कुमार चौथे स्थान पर रहे। विजय कुमार के इस प्रदर्शन ने सबको चौंका दिया। भावेश शेखावत का यह पहला खिताब था और इसी स्पर्धा का रजत पदक सेना के गुरप्रीत सिंह ने जीता। शेखावत ने आठ सीरीज के फाइनल में 40 में 33 हिट से पहला स्थान हासिल किया।

हॉलैंड क्वार्टरफाइनल में

भुवनेश्वर, 28 नवम्बर। माइल्स बुकेंस के पांच गोलों की बदौलत हॉलैंड ने अमेरिका को रविवार को 14-0 से रौंदकर जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में पूल सी से शीर्ष टीम के रूप में स्थान बना लिया। बुकेंस ने 11, 12, 31, 33 और 51वें मिनट में पांच गोल दागे। वान बिजनेन ने 14, 25, 44वें मिनट और ल्यूक डोमरसुइजज़ें ने 16, 33, 57वें मिनट में तीन-तीन गोल दागे।

ग्रीनपार्क पर दर्शक उड़ा रहे हैं घर की बनी पूरी सब्जी की दावत

कानपुर, 28 नवंबर। कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान दर्शक दीर्घाओं में न सिर्फ कोविड प्रोटोकाल की धज्जियां खुलेआम उडाई जा रही है बल्कि नियमों को दरकिनार कर दर्शकों को टिफिन बॉक्स और पानी की बोतलों के साथ बगैर मास्क प्रवेश दिया जा रहा है।

रविवार को ग्रीनपार्क की सभी दर्शक दीर्घायें पूरी तरह भरी थीं। प्रवेश द्वार पर लंबी कतारों में लगे दर्शकों में से अधिकांश के चेहरे पर मास्क नदारद था जबकि कई अपने कंधों पर बैग टांगे हुये थे। प्रवेश के समय तैनात कर्मी दर्शकों की जेब में पडे सिक्कों को अंदर नहीं ले जाने दे रहे थे मगर दूसरी ओर बैग के अंदर पडे सामान पर उनकी कोई नजर नहीं थी और न हीं थर्मल स्कैनिंग और सेनेटाइजर वगैरह के कोई इंतजाम थे।

दर्शक दीर्घा में गंदगी का आलम इस कदर दिखा कि चलना फिरना दूभर था। जगह जगह पडे चिप्स के रैपर,कोल्ड ड्रिंक्स के गिलास माहौल को असहज बना रहे थे। स्टैंड पर कई दर्शक घर से लाई पूडी सब्जी को मजे से खा रहे थे और पानी की बोतल से गला तर कर रहे थे। नियमो का पालन कराने के जिम्मेदार यूपीसीए के अधिकारी सारा दिन जिला प्रशासन के आला अधिकारियों और निकट संबंधियों के स्वागत सत्कार में व्यस्त थे जबकि पुलिसकर्मी मजे से मैच का मजा ले रहे थे।

दर्शक दीर्घाओं में सामाजिक दूरी को कोई अनुपालन नहीं किया गया जबकि मास्क वगैरह तो दूर की बात थी। लोगबाग सेल्फी लेने में मशगूल दिखायी पडे। शौचालय गंदगी से बजबजा रहे थे। यहां तक कि डायरेक्टर पवेलियन के प्रवेश द्वार के पास मैच शुरू होने के बाद भी गंदगी को साफ नहीं किया गया था और उसे तिरपाल से ढक दिया गया था।

गौरतलब है कि टेस्ट मैच शुरू होने से पहले जिला प्रशासन ने नियमों की एक सूची प्रकाशित की थी जिसके अनुसार लोगों को बगैर मास्क प्रवेश नहीं दिया जायेगा। दर्शक कोई भी सामान के साथ स्टैंड पर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। दर्शकों को सामाजिक दूरी का पालन करना होगा मगर ये सभी कानून कागजी साबित हुये। इस कृत्य के गवाह टीवी प्रसारण के जरिये देश दुनिया के करोडों लोग बने।

विक्रम राठौर ने पुजारा और रहाणे पर भरोसा जताया

कानपुर, 28 नवम्बर। अपने पहले टेस्ट में शतक और अर्धशतक बनाने वाले पहले भारतीय बने श्रेयस अय्यर की बढ़िया बल्लेबाज़ी के बाद सभी की नजरें चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे पर हैं। अगले हफ़्ते के मुंबई टेस्ट के लिए कप्तान विराट कोहली टीम में वापसी कर रहे हैं। अय्यर को अगले टेस्ट के लिए टीम में बरकरार रखा जाएगा या नहीं, इसके बारे में भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कोई संकेत दिए बिना अपने दो अनुभवी बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है।

विशेष रूप से राठौर से जब सवाल किया गया कि दो सीनियर क्रिकेटरों का खराब फॉर्म कितनी बडी चिंता का विषय है तो राठौर ने कहा, "बेशक हम चाहते हैं कि हमारा शीर्ष क्रम योगदान दें, लेकिन आपने जिन क्रिकेटरों का उल्लेख किया है, उन्होंने 80 और 90 टेस्ट मैच खेले हैं। उनके पास अनुभव है। जाहिर है कि इतने मैच खेलने के लिए उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया होगा। मैं समझता हूं कि दोनों खराब दौर से गुजर रहे हैं लेकिन उन्होंने अतीत में हमारे लिए कई महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। हमें पूरा यकीन है कि वे फॉर्म में वापसी करेंगे और भविष्य में भी हमारी टीम के लिए और भी महत्वपूर्ण पारियां खेलेंगे।"

पिछले 16 टेस्ट मैचों में बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक के साथ रहाणे की औसत 24.39 की रही है। इस मैच में 35 और चार रनों की पारियां खेलने के बाद उनके करियर की औसत गिरकर 40 से नीचे चली गई है। घरेलू परिस्थितियों में उन्होंने 35.73 के औसत से रन बनाए हैं। वहीं दूसरी तरफ 2018-19 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से पुजारा के बल्ले से एक भी शतक नहीं निकला है और उनकी औसत 28.61 की रही है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में उन्होंने कई अहम पारियां जरूर खेली लेकिन पूरी तरह अपनी लय प्राप्त नहीं कर पाए।

इसी के कारण इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट महज़ 36.1 का रहा है। इस मैच में उन्होंने क्रमशः 26 और 22 रन बनाए। एक समय पर भारत 51 रन पर पांच विकेट गंवाकर नाजुक स्थिति में था। बढ़त 100 की थी और पिच बाकी भारतीय पिचों की तुलना में कम बिखरी थी। उस मुश्किल स्थिति में पिच की धीमी गति और एक विश्व स्तरीय विपक्षी स्पिनर की कमी का साथ मिला जो तेज गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन को आगे नहीं बढ़ा पाया। अय्यर और ऋद्धिमान साहा ने पहले भारत को मुश्किल से बाहर निकाला और फिर सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए इस मैच को न्यूजीलैंड की पकड से बहुत दूर भेज दिया है। अगर भारत इस समय नाजुक स्थिति में होता तो रहाणे और पुजारा पर और उंगलियां उठाई जाती। इसके बावजूद राठौर से पूछा गया कि अगर उनके बल्ले से रन नहीं आ रहे हैं तो अतीत में अच्छा प्रदर्शन करने वालों को और कितने मौके दिए जाएंगे।

राठौर ने जवाब में कहा, "मुझे नहीं लगता कि हम इसमें कोई निर्धारित संख्या डाल सकते हैं। यह टीम की स्थिति और जरूरतों पर निर्भर करेगा।" तो क्या होगा जब कोहली वापस आएंगे? राठौर ने कहा, "मुझे पता है कि कप्तान मुंबई में टीम में वापस आएंगे।

हम उस नतीजे पर तब पहुंचेंगे जब हम मुंबई में होंगे। फिलहाल हम मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अभी भी एक दिन का खेल खेला जाना है और नतीजा निकालना है। इसलिए हमारा ध्यान इस मैच पर हैं।" क्या आप इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि अय्यर अगला टेस्ट खेलेंगे?

राठौर ने कहा, "यह फैसला हम तब लेंगे जब हम मुंबई पहुंचेंगे।" यह बेशक कठिन निर्णय होंगे लेकिन टीम प्रबंधन चाहेगा कि विकल्पों की कमी होने की बजाय बाहर बैठे खिलाडी एकादश में मौजूद खिलाडियों पर दबाव बनाए रखें।ऐसी ही स्थिति विकेटकीपिंग विभाग में भी चल रही है।

विश्व में सबसे ज्यादा ऊँचाई पर चढ़ने वाली फ्युनिकुलर लाइन (केबल रेल) स्विट्ज़रलैण्ड में है। यह ट्रेन श्वीट्स शहर से स्टूस तक जाती है। स्टूस एस्पाइन पहाड़ियों पर 110 मीटर की ऊँचाई पर स्थित एक गांव है, जहां से पहाड़ियों व झरनों के अद्भूत नज़ारे देखे जा सकते हैं। यह गांव कार फ्री है और यहाँ पहुँचने का सर्वश्रेष्ठ जरिया फ्युनिकुलर है। श्वीट्स से यह ट्रेन पहाड़ की सीधी खड़ी चढ़ाई चढ़ती है, और कभी सुरगों से तो कभी खुले में होते हुए अपनी मंजिल, स्टूस गांव तक पहुँचती है। पूरे 14 साल की योजना और निर्माण के बाद इस ट्रेन ने 84 साल पुरानी फ्युनिकुलर की जगह ली है। इसे इंजिनियरिंग का करिश्मा कहा जा रहा है। इसके सिलैण्डर नुमा डिब्बे पूरी यात्रा के दौरान घूमते रहते हैं, पर यात्रियों को ऐसा महसूस भी नहीं होता और चार मिनट की यात्रा में वे सामान्य स्थिति में ही बैठे रहते हैं।

'हर दसवें दिन भारत में एक नया ''यूनिकॉर्न'' स्टार्टअप खड़ा हो रहा है'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, स्टार्टअप के मामले में भारत पूरी दुनिया को ''लीड'' कर रहा है

नई दिल्ली, 28 नवंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत में आज हर 10 दिन में एक नया यूनिकॉर्न स्टार्टअप खड़ा हो रहा है, देश स्टार्टअप क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है और यहां की स्टार्टअप कंपनियां वैश्विक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत कर रही हैं।

मोदी ने अपने मासिक रेडियो संबोधन मन की बात में देशवासियों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत की विकास गाथा का यह नया मोड़ है। पहले युवकों को नौकरी के लिए प्रेरित किया जाता था और आज अपना रोजगार शुरू करने वालों को सराहना और प्रोत्साहन मिल रहा है। मोदी ने कहा कि उनकी पहली सरकार आने के समय देश में 9-10 यूनिकॉर्न हुआ करते थे। यूनिकॉर्न ऐसी स्टार्टअप कंपनी को कहा जाता है, जिन का मूल्यांकन एक अरब डॉलर या 7000 करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा होता है।

■ यूनिकॉर्न, ऐसी स्टार्टअप कंपनी को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर या 7000 करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा होता है।

उन्होंने कहा कि भारत यूनिकॉर्न के क्षेत्र में आज दुनिया में तेज उड़ान भर रहा है और एक रिपोर्ट के अनुसार देश में इस समय 70 से अधिक स्टार्टअप यूनिकॉर्न की श्रेणी में आ गए हैं। दुनिया का ध्यान इस ओर गया है। यूनिकॉर्न के क्षेत्र में भारत निवेश को आकर्षित कर रहा है तथा देश के युवा वैश्विक समस्याओं के समाधान में योगदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यूनिकॉर्न के क्षेत्र में भारत विश्व का नेतृत्व कर रहा है। आज चारों तरफ स्टार्टअप की चर्चा है। अब छोटे-छोटे शहरों में भी स्टार्टअप कंपनियां खड़ी हो रही हैं। पहले जब कोई युवा अपना काम शुरू करने की बात करता था तो बड़े बुजुर्ग उसे नौकरी की सलाह देते थे और कहते थे कि नौकरी में आराम है, पैसा है, लेकिन आज अपना काम शुरू करने वालों को उनके परिवार और समाज से प्रोत्साहन मिलता है तथा सहायता मिलती है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने मयूर नाम के एक युवा उद्यमी से बातचीत की, जिसने पढ़ते हुए अपनी मोटरसाइकिल का माइलेज बढ़ाने और और वाहन प्रदूषण कम करने की प्रौद्योगिकी के विकास पर काम किया। आज वह अपने साथियों के साथ प्रौद्योगिकी का विकास कर चुका है। मयूर ने मोदी को बताया कि उसने अपने चार साथियों के साथ मिलकर जो फिल्टर प्रौद्योगिकी विकसित की है, उससे मोटरसाइकिल का एवरेज 25 किलोमीटर प्रति लीटर से बढ़कर 39 किलोमीटर प्रति लीटर तक पहुंच गया और कार्बन उत्सर्जन में 40 प्रतिशत की कमी आई है। इस प्रौद्योगिकी का प्रयोग उसने सरकारी बसों में किया है।

मयूर ने प्रधानमंत्री के सवालों के जवाब में कहा कि बसों में उत्सर्जन में 35 से 40 प्रतिशत की कमी देखी गई है और ईंधन में भी 10 प्रतिशत की बचत हुई है।

उसने इस प्रौद्योगिकी का पेटेंट कराने के लिए आवेदन कर रखा है और उसे उम्मीद है कि पेटेंट जल्दी मिल जाएगा। उद्यमी ने बताया कि उसे नीति आयोग की अटल इंडिया चैलेंज योजना के तहत अनुदान प्राप्त हुआ है।

मोदी ने कहा कि आज भारत में स्टार्टअप का वातावरण बना है और युवा नौकरी खोजने की जगह, नौकरी देने वाले बन रहे हैं। भारत में आर्थिक वृद्धि की कहानी आज एक निर्णायक मोड़ ले रही है। इससे दुनिया में भारत का प्रभाव बढ़ा है।

अखिलेश को मिलेगा चंद्रशेखर रावण का साथ

लखनऊ, 28 नवम्बर। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रावण की मुलाकात कल लखनऊ में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से हुई। जिसमें कयास लगाया जा रहा है कि चंद्रशेखर सपा के साथ गठबंधन में जा सकते हैं। अखिलेश यादव सभी छोटे-बड़े दलों के साथ गठबंधन पर जोर दे रहे हैं।

चंद्रशेखर का कहना है कि, लखनऊ में उनकी पार्टी की कोर कमेटी की बैठक चल रही है। कमेटी जो तय करेगी वही हमारा फैसला होगा। यह पूछने पर की आप तो अकेले चुनाव लड़ने वाले थे, तो चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा को रोकने के लिए अगर सभी दल एक साथ एक सार्थक प्रयास से आएं तो प्रदेश और देश के लिए बेहतर होगा। वहीं चंद्रशेखर ने कहा कि राजनीति महज चुनाव जीतना नही है बल्कि आबादी के मुताबिक हिस्सेदारी सुनिश्चित कराना है।

चंद्रशेखर ने कहा कि कांशीराम कहते थे कि सरकार मजबूत नहीं मजबूर होनी चाहिए।

एन.डी.ए. के सहयोगी दल ने सी.ए.ए. निरस्त करने की मांग उठाई

मेघालय की नैशनल पीपुल्स पार्टी ने सर्वदलीय मीटिंग में विपक्षी नेताओं के सामने भाजपा को हैरत में डाल दिया

नई दिल्ली, 28 नवंबर (वार्ता)। संसद के सोमवार से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले आज यहां नैशनल डैमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) के सहयोगी दलों की बैठक में मेघालय की नैशनल पीपुल्स पार्टी (एन.पी.पी.) ने सिटीजनशिप अमैंडमैंट एक्ट (सी.ए.ए.) को खत्म करने की मांग की।

एन.पी.पी. से लोकसभा सांसद अगाथा संगमा ने बैठक में यह मुद्दा उठाया। लोकसभा सांसद अगाथा संगमा ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, सरकार ने लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा की है, मैंने उनसे पूर्वोत्तर के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सी.ए.ए. को खत्म करने का आग्रह किया है।

■ लोकसभा सांसद अगाथा संगमा ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, सरकार ने जिस तरह से कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा की है, मैंने उनसे पूर्वोत्तर के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सी.ए.ए. को खत्म करने का आग्रह किया है।

■ अपना दल की सांसद और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बैठक में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया।

सूत्रों ने कहा कि अपना दल की सांसद और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बैठक में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया। बैठक में सरकार के सहयोगियों ने संसद के सुचारू संचालन के लिए सरकार को समर्थन देने का आश्वासन दिया।

बैठक के बाद संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार किसी भी विषय पर चर्चा एवं बहस के लिए तैयार है। सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा , हमने विपक्ष से अपील की है कि आप बहस करिए और हम सरकार की ओर से हर मुद्दे पर बहस करके आपको जवाब देना चाहते हैं।

इससे पहले भाजपा की संसदीय कार्यकारिणी दल की बैठक भी हुई। पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सांसदों को सत्र के दौरान उपस्थित रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी विवाद जैसे मुद्दों सहित सभी मुद्दों पर विपक्ष का मुकाबला करने के लिए तैयार है। बैठक में सांसदों को संसद में पेश किए जाने वाले विधेयकों की जानकारी भी दी गई

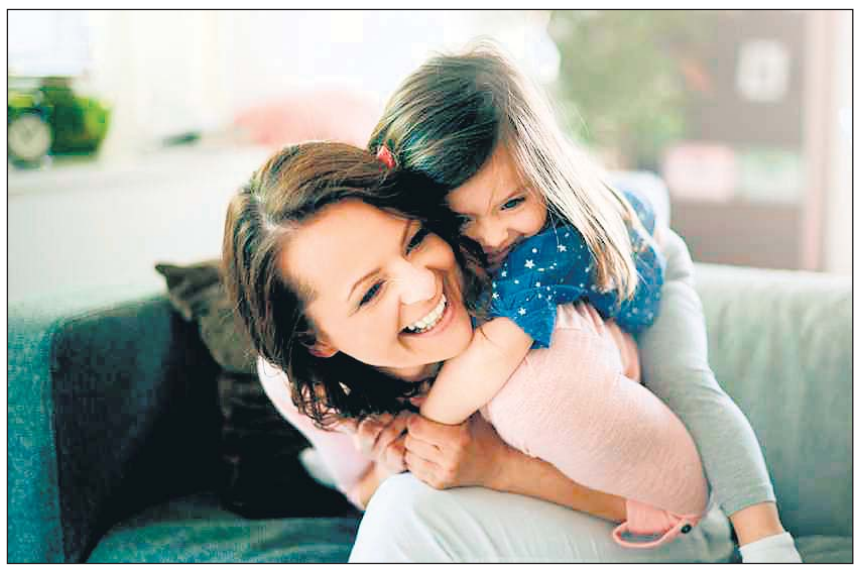

भले ही वे यह बात स्वीकार न करना चाहें, किन्तु यह सच है कि ज्यादातर माता-पिता को उनका कोई एक बच्चा विशेष प्रिय लगता है। अब तो शोधकर्ता भी इस नतीजे पर पहुँच गये हैं कि सबसे छोटी सन्तान के ज्यादा प्रिय होने की सम्भावना अधिक होती है। ब्रिंघम यंग यूनिवर्सिटी के असिस्टैंट प्रोफेसर एलैक्स जैन्सन तथा पैन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर सूजन एम. मैंकहेल, दो बच्चों वाले परिवारों का अध्ययन करके इस नतीजे पर पहुँचे हैं। तथापि, शोधकर्ताओं ने पाया कि सबसे छोटे बच्चे के ज्यादा प्रिय लगने का संबंध माता-पिता की निजी पसंद से नहीं होता, सबसे छोटा बच्चा आमतौर पर प्रिय लगता ही है। ऐसी स्थिति में, सबसे छोटे बच्चे के संबंध माता-पिता से और भी प्रगाढ़ हो जाते हैं। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने भी यह निष्कर्ष निकाला था कि 74 प्रतिशत माताओं तथा 70 प्रतिशत पिताओं का किसी एक बच्चे पर विशेष लाड़ होता है।

केंद्रीय नेतृत्व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सतीश पूनिया की बात करें तो करोनाकाल में प्रदेशभर में पार्टी के ''सेवा ही संगठन'' अभियान की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। रोजाना फील्ड में रहे, अस्पतालों का दौरा किया और लगातार पदाधिकारियों की बैठक लेकर फीडबैक लेते रहे। इस दौरान खुद भी संक्रमण की चपेट में आ गए, जिससे संघर्ष कर परास्त किया और उस दौरान ही पार्टी के दिवंगत नेताओं के निवास स्थानों पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। लेकिन सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि इतने लंबे समय बाद वसुंधरा राजे का शोक संवेदना व्यक्त करने का मकसद संशय पैदा करता है, जिसको लेकर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया भी सवाल खड़ा कर चुके हैं।

सात करोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बंडलों में ये नकली नगदी बरामद हुई है।

नकली मुद्रा पाकिस्तान में बनाई गई और श्रीलंका भेजी गई, जहां से उन्हें संगमरमर के कंटेनर में चटोग्राम बंदरगाह ले जाया गया।

असदुज्जमां ने कहा कि आरोपी की पहचान फातेमा अख्तर के रूप में हुई है, जो एक अन्तर्राष्ट्रीय नकली मुद्रा रैकेट का सक्रिय सदस्य है, जिसने पाकिस्तान से नकली मुद्रा एकत्र की और उसे भारत में भेजने की कोशिश की।

ढाका के खिलखेत और डेमरा इलाके से शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय नकली मुद्रा रैकेट के दो लोगों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने फातेमा के घर पर छापा मारा। उन्होंने नकली करेंसी रैकेट के सरगना के रूप में दो पाकिस्तानी नागरिकों सुल्तान और शफी को नामित किया।

त्रिपुरा निकाय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए बधाई। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल में महासचिव और प्रवक्ता कुणाल घोष ने दावा किया कि त्रिपुरा में केवल दो महीने पहले पहुंची उनकी पार्टी कई सीटों पर दूसरा स्थान प्राप्त करने में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है जब वहां सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा हिंसा की गई।

'मुसलमान देश की सबसे पुरानी पार्टी से अपनापन नहीं महसूस कर पा रहे'

पूर्व केन्द्रीय मंत्री के. रहमान खान ने यह भी कहा कि, इसी बात का खामियाजा कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ रहा है

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री के. रहमान खान ने पार्टी के भीतर खुद को उपेक्षित करार देते हुए रविवार को कहा कि पार्टी मुस्लिम समुदाय से सही लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं दे रही है और अब मुसलमानों को देश के सबसे पुराने दल को लेकर अपनापन महसूस नहीं हो रहा है जिसका खामियाजा पार्टी भुगत रही है। उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के पदासीन मुस्लिम नेताओं की योग्यता पर भी सवाल खड़े किए और दावा किया कि राष्ट्रीय संगठन में मुसलमान समुदाय से सही लोगों को जगह नहीं दी गई है।

■ के. रहमान ने ए.आई.सी.सी. में पदासीन मुस्लिम नेताओं की योग्यता पर भी सवाल खड़े किए और दावा किया कि, इस राष्ट्रीय संगठन में मुसलमान समुदाय से सही लोगों को जगह नहीं दी गई है।

■ ''इंडियन मुस्लिमः द वे फॉरवर्ड'' नाम की पुस्तक लिखने वाले 82 वर्षीय रहमान खान ने कहा, देश की 20 करोड़ की आबादी को लगता है कि, उसके नेतृत्व की कोई पहचान नहीं है।

राज्यसभा के पूर्व उपसभापति ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आजीवन कांग्रेसमैन रहेंगे क्योंकि पार्टी छोड़ना उनके डी.एन.ए. में नहीं है।

उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब ऐसी खबरें हैं कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कर्नाटक में कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की है जिसे इन नेताओं को तृणमूल कांग्रेस में शामिल कराने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

'आंकड़े झूठे हैं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहुल गांधी ने ट्विटर पर 4.31 मिनट का एक वीडियो साझा किया जिसमें गुजरात में करोना वायरस से अपने प्रियजन को खोने वाले परिवार आरोप लगा रहे हैं कि उस वक्त उन्हें सरकार से कोई सहयोग नहीं मिला। उन्होंने ''गुजरात मॉडल'' की भी आलोचना की जिसे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी देश में बेहतर बताती है।

गांधी ने ट्वीट किया, ''कोविड के कारण मरने वाले परिवारों की कहानी सच है, उनका दर्द और उनकी पीड़ा भी सच है। सरकार के आंकड़े गलत हैं। सच्चे आंकड़े बताने होंगे और चार लाख रुपये मुआवजा देना होगा।''एक वीडियो में उन्होंने कहा कि गुजरात मॉडल पर काफी चर्चा होती है लेकिन ''जिन परिवारों से हमने चर्चा की उन्होंने कहा कि उन्हें न तो अस्पतालों में बिस्तर मिला, न ही ऑक्सीजन या वैंटिलेटर।'' कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने दावा किया कि गुजरात सरकार कहती है कि आधिकारिक रूप से केवल दस हजार लोगों की कोविड-19 से मौत हुई लेकिन सच्चाई है कि राज्य में महामारी से तीन लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है।

एम.एस.पी. की गैरेन्टी देने वाला कानून संसद में लाये सरकार'

किसान नेता राकेश टिकैत ने सरकार को चेतावनी दी कि, एम.एस.पी. के बिना सरकार की कोई बात बनने वाली नहीं है

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भारतीय किसान यूनियन (भा.कि.यू.) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) की गारंटी देने वाला कानून लाने की मांग की। टिकैत ने यह मांग मुंबई के आजाद मैदान में संयुक्त शेतकारी कामगार मोर्चा (एस.एस.के.एम.) के बैनर तले आयोजित किसान महापंचायत में उठाई।

■ टिकैत ने कहा कि, नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो एम.एस.पी. पर सख्त कानून लाने का समर्थन करते थे।

■ टिकैत ने कहा कि, अब केन्द्र सरकार किसानों के साथ उनके मुद्दों पर चर्चा से दूर भाग रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब एम.एस.पी. का समर्थन किया करते थे और किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रव्यापी कानून चाहते थे। इसके साथ ही राकेश टिकैत ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि अब वह किसानों के लिए महत्वपूर्ण इस मुद्दे पर चर्चा करने से भाग रही है।

टिकैत ने कहा, केंद्र को किसानों को एम.एस.पी. की गारंटी देने के लिए एक कानून लाना चाहिए। कृषि और श्रमिक क्षेत्र के ऐसे कई मुद्दे हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है और हम इन मुद्दों को उठाने के लिए पूरे देश में यात्रा करेंगे। उन्होंने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों के परिजनों को आर्थिक मदद देने की मांग भी उठाई।

इससे पहले शनिवार को टिकैत ने कहा था कि सरकार ने अभी तक किसानों की मौत, लखीमपुर खीरी की घटना, एम.एस.पी. पर मुद्दे और किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमों को लेकर कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा था कि हमारी मुख्य मांग एम.एस.पी. पर कानून लाना है। उन्होंने कहा था कि किसानों का आंदोलन अभी भी चलता रहेगा।

केंद्र सरकार की ओर से लाए गए तीन कृषि कानूनों का पूरे देश के किसान विरोध कर रहे थे और लगभग एक साल से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे थे।

कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने इन कानूनों को वापस लेने का एलान किया था। सरकार ने किसानों को मनाने की कई कोशिशें की थीं लेकिन वह इसमें असफल रही थी।

रिलायंस जियो के रिचार्ज प्लान्स भी 20 प्रतिशत मंहगे हुये

जियो ने अपने कुछ पॉपुलर प्लान्स में 480 रु. तक की बढ़ोतरी की है

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया (वी.आई.) ने अपने प्लान्स में 500 रुपये तक की बढ़ोतरी कर अपने ग्राहकों को बड़ा झटका दिया था। अब रिलायंस जियो भी इस लिस्ट में शामिल हो गया।

जियो ने रविवार को अपने कुछ चुनिंदा प्रीपेड प्लान्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। जियो ने अपने कुछ पॉपुलर प्लान्स में 480 रुपये तक की बढ़ोतरी कर ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है। नई कीमतें 1 दिसंबर से लागू होंगी। तो चलिए देखते हैं कि अब ग्राहकों को किस प्लान पर कितना अधिक खर्च करना पड़ेगा।

जियोफोन का 75 रुपये वाले प्लान के लिए 1 दिसंबर से ग्राहकों को 16 रुपये ज्यादा यानी 91 रुपये खर्च करने होंगे। प्लान की वैलिडिटी 28 दिनों की है। इस अवधि में ग्राहकों को महीनेभर के लिए कुल 3जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और 50 एस.एम.एस. मिलेंगे।

129 रुपये का पैक, 155 रुपए का हुआ- 28 दिनों की वैधता वाले 129 रुपये पैक के लिए 1 दिसंबर से 155 रुपये खर्च करने होंगे। प्लान में 28 दिनों के लिए डेली 2 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयल कॉल और कुल 300 एस.एम.एस. मिलेंगे।

149 रुपये का पैक, 179 रुपये का हुआ- 24 दिनों की वैलिडिटी वाले 149 रुपए पैक के लिए 1 दिसंबर से ग्राहकों को 179 रुपये खर्च करने होंगे। प्लान में 24 दिनों के लिए ग्राहकों को डेली 1 जी.बी. डेटा, अनलिनिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

199 रुपये का पैक, 239 रुपये का हुआ- 28 दिनों की वैलिडिटी वाला 199 रुपए का पैक अब 239 रुपये का हो गया है। प्लान में ग्राहकों को 28 दिनों के लिए डेली 1.5 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

■ गौरतलब है कि, इससे पहले एयरटैल और वोडाफोन-आइडिया भी अपने रिचार्ज प्लान्स में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर चुके हैं।

249 रुपये का पैक, 299 रुपये का हुआ- 28 दिनों की वैलिडिटी वाला 249 रुपये का पैक, बढ़ोतरी के बाद 299 रुपये का हो गया है। इस प्लान में ग्राहकों को डेली 2 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

399 रुपये का पैक, 479 रुपये का हुआ- 56 दिनों की वैलिडिटी वाला 399 रुपये का पैक, बढ़ोतरी के बाद 479 रुपये का हो गया है। इस प्लान में ग्राहकों को डेली 1.5 जी.बी. डेटा, अनलिमिडेट वॉयस कॉल के साथ डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

444 रुपये का पैक, 533 रुपये का हुआ- 56 दिनों की वैलिडिटी वाला 444 रुपए का पैक, बढ़ोतरी के बाद 533 रुपये का हो गया है। इस प्लान में ग्राहकों को डेली 2 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे। 329 रुपये का पैक, 395 रुपये का हुआ- 84 दिनों की वैलिडिटी वाला 329 रुपये का पैक के लिए 1 दिसंबर से ग्राहकों को 395 रुपये में मिलेगा। प्लान में कुल 6 जीबी डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और कुल 1000 एस.एम.एस. मिलेंगे।

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो से अब लोगों का मोह भंग होता दिख रहा है क्योंकि सितंबर महीने में 1.90 करोड़ लोगों ने जियो का दामन छोड़ दिया।

इस दौरान तीसरी बड़ी कंपनी वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या भी 10.8 लाख घट गयी जबकि दूसरी बड़ी कंपनी भारती एयरटेल के ग्राहकों की संख्या 2.47 लाख बढ़ गयी। दूरसंचार नियामक ट्राई के सितंबर महीने के टेलीफोन उपभोक्ताओं के जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2021 में रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्या एक करोड़ 90 लाख 23 हजार 618 कम हो गयी। इसके बाद उसके ग्राहकों की कुल संख्या 4.29 प्रतिशत घटकर करीब 42.5 करोड़ पर आ गयी। इस दौरान वोडा आइडिया के ग्राहकों की संख्या 10 लाख 77 हजार 806 कम होकर अर्थात 0.40 प्रतिशत घटकर करीब 27 करोड़ पर आ गयी है।

ग्राहक आधार पर देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी भारती एयरटेल ने सितंबर 2021 में दो लाख 74 हजार 845 नये ग्राहक जोड़ने में सफल रही है।

बंगाल में सड़क...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, नदिया जिले में सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से टकराने के बाद नदिया जिले में 18 लोगों की मौत और 5 अन्य लोगों के घायल होने की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ।

उम्मीद करता हूं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मृतकों और घायलों के परिवार की हर संभव तरीके से मदद करेंगी। हमें सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की जरूरत है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा अरावली प्रिन्टर्स, जयपुर रोड, अजमेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908